कोलफील्ड मिरर

COALFIELD MIRROR — 24 x 7 — हर पल आपके साथ

Website : coalfieldmirror.com

हर पल आपके साथ

कोलकाता | बुधवार 26 जून 2024 | वर्ष-07 | अंक-1068 | पृष्ठ-06 | RNI (TA) No. 2022027633

अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई का आदेश

कोलफील्ड मिरर 26 जून (कोलकाता): मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक मीटिंग के दौरान अपने मंत्री, सांसद और जिले के डीएम की जमकर फटकार लगाई। हावड़ा जिला के विधायक गौतम चौधूरी और अरूप राय को ममता बनर्जी ने चेतावनी भी दी। जानकारी के अनुसार, ममता ने नबान्न नगर पालिका के अधिकारियों के साथ बैठक की और अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि एमएलए, एमपी, मंत्री, डीएम पैसे ले रहे हैं। सरकारी जमीन बेची जा रही है।

ममता बनर्जी ने कहा कि जमीनों पर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि सरकारी जमीन पर कब्जा करने वालों को गिरफ्तार भी करें। अगर अवैध निर्माण मेरे घर पर हुआ हो तो शुरुआत मेरे से करें। सीएम ममता ने कहा कि कोई भी टेंडर स्थानीय स्तर पर नहीं होगा और सब कुछ केंद्र स्तर पर होगा। एक समिति बनाई जाएगी जो इस सबका प्रबंधन करेगी।

ममता बनर्जी ने मुख्य सचिव को आदेश दिया कि जो कोई भी राज्य की अनुमति के बिना सिर्फ़ पैसे का इस्तेमाल करके राज्य की संपत्ति पर कब्ज़ा कर रहा है उसे ऐसा करने से रोकें। बीजेपी के लोग कोयले, गाय की तस्करी से पैसे ले रहे है और यह पुलिस के ज़रिए जाता है। मैं यह भी कहती हूं कि हमारे लोग भी हैं जो ईडी और सीबीआई से डरते हैं और वे पैसे इकट्ठा कर रहे हैं। मैं उन्हें बाहर निकाल दूंगी, चाहे वे कितने भी बड़े नेता क्यों न हों, मैं बर्दाश्त नहीं करुंगी। अगर कोई अवैध पार्किंग है तो पुलिस को कार्रवाई करनी चाहिए।

ममता बनर्जी के बयान पर बीजेपी सांसद शमिक भट्टाचार्जी ने कहा कि ममता बनर्जी क्या यह सब पहले नहीं जानते थी। उनके पास सभी जानकारियां थी। मैं खुद विधानसभा में खड़े होकर इसके बारे में आरोप लगाया था कि सरकारी जमीनों को बेचा जा रहा है और इसकी मदद प्रशासन कर रही है।

आगामी टॉलीवुड फिल्म हेमंतेर अपरान्ह का धमाकेदार ट्रेलर हुआ लॉन्च

कोलफील्ड मिरर 26 जून (कोलकाता): टॉलीवूड में अब तक कई धमाकेदार सुपरहिट अवार्ड विनिंग फिल्में देनेवाले निर्देशक अशोक विश्वनाथन की आनेवाली नई फिल्म "हेमंतेर अपरान्ह" दर्शकों के बीच रिलीज के लिए पूरी तरह से तैयार है। इस फिल्म का धमाकेदार ट्रेलर सोमवार को कोलकाता के हिंदुस्तान क्लब में लॉन्च किया गया। जिसका अनावरण "हेमंतेर अपरान्ह" फिल्म के कलाकारों और क्रू मेंबरों में अशोक विश्वनाथन (निर्देशक), ऋतब्रत मुखर्जी (अभिनेता), अनुषा विश्वनाथन (अभिनेत्री), सत्यप्रिया मुखोपाध्याय (अभिनेता), अमित अग्रवाल (निर्माता) द्वारा किया गया। यह फिल्म कोरोना महामारी के दौरान जीवन के तनाव और यूक्रेन और मध्य पूर्व के देश में छिड़ी युद्ध से हिली दुनिया के माहौल की एक गतिशील और नाटकीय दृश्य पर आधारित है।

इस अवसर पर हेमंतेर अपरान्ह के निर्माता एवं निर्देशक अशोक विश्वनाथन ने कहा, इस फिल्म की कहानी आपको रिटायरमेंट के बाद के जीवन, इच्छा और निराशा से जुड़े सवालों से लगातार जोड़े रखेगी। यह फिल्म यह भी बताती है कि आज के युवा कैसे वर्चुअल रियलिटी, ऑगमेंटेड रियलिटी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से भरी बदलती दुनिया के प्रति इतनी सजग हैं। पृष्ठभूमि में यूक्रेन और गाजा में लॉकडाउन और युद्ध के भयावह परिणाम के दृश्यों को पेश करने की कोशिश की गई हैं। पूरे फिल्म की कहानी का कॉन्सेप्ट इस फिल्म के निर्माता अमित अग्रवाल और मैंने किया है। मुझे इस बात की भी खुशी है कि अमित ने लंबे समय के बाद मेरे लिए ट्रेलर एडिटर के तौर पर काम किया है। वह पहले भी मेरे साथ मेरी पुरस्कार विजेता डॉक्यूमेंट्री और फिल्म ट्रेलर के लिए एडिटर के तौर पर काम कर चुके है। हेमंतेर अपरान्ह फिल्म का ट्रेलर काफी बेहतर और आकर्षक है। इस बार भी उन्होंने काफी बेहतरीन काम किया है।

मीडिया से बात करते हुए हेमंतेर अपरान्ह के निर्माता अमित अग्रवाल ने कहा, इस फिल्म के निर्माता के तौर पर मैं काफी खुशी का अनुभव कर रहा हूं। मुझे इस फिल्म की कहानी, इसमें छिपा मैसेज और जिस तरह से अशोक दा ने फिल्म को अंजाम दिया है, वह मुझे काफी पसंद आया। यह फिल्म युवा और बुजुर्ग दोनों ही वर्ग के फिल्म प्रेमियों एवं दर्शकों को आकर्षित करेगी। यह एक पारिवारिक फिल्म है, क्योंकि इस फिल्म के जरिये समाज के सभी वर्ग को प्रेरित और प्रभावित करने वाले कई तत्व और संदेश दिये गये हैं। लंबे समय के बाद फिल्म के ट्रेलर एडिटर के रूप में काम करना भी मेरे लिए एक अद्‌भुत अनुभव था। मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को ट्रेलर काफी पसंद आएगा। वे इस ट्रेलर को देखने के बाद सिनेमाघरों में फिल्म देखने के लिए इच्छुक होंगे।

इस अवसर पर, फिल्म के अभिनेता ऋतोब्रोतो मुखर्जी ने कहा, मैं हेमंतेर अपरान्ह का हिस्सा बनकर वास्तव में रोमांचित हूं, यह एक ऐसी फिल्म है, जो जीवन की जटिलताओं को खूबसूरती से दर्शाती है। यह फिल्म दर्शकों के साथ गहराई से जुड़ने का वादा करती है। वहीं, इस अवसर पर मीडिया से बात करते हुए अभिनेत्री अनुषा विश्वनाथन ने कहा, हेमंतेर अपरान्ह मानवीय भावनाओं और रिश्तों की एक हार्दिक खोज है। मैं इस मार्मिक कथा में अपने चरित्र को जीवंत करने के लिए खुद को सम्मानित महसूस कर रही हूं।

अमित अग्रवाल ने इससे पहले लोकप्रिय हिंदी फिल्म 'एम. एस. धोनी- द अनटोल्ड स्टोरी' जैसी फिल्मों का निर्माण किया है। वह सिमरन (हिंदी), वर्तक नगर (हिंदी) अस्त्र (बंगाली) और प्रशंसित गौतम घोष की फिल्म राहगीर (हिंदी) जैसी फिल्मों का निर्माण कर चुके है। उन्होंने हाल ही में रिलीज़ हुई फिल्म सादा रोंगेर पृथ्वी (बंगाली) को प्रस्तुत की। अब वह हेमंतेर अपरान्ह के साथ बहुत उत्साहित और रोमांचित हैं, कि वे बंगाली दर्शकों के लिए एक बार फिर एक अलग फिल्म पेश कर रहे हैं। उनका मानना है कि यह दर्शकों को अवश्य पसंद आएगी।

फिल्म हेमंतेर अपरान्ह में कई बेहतरीन कलाकार हैं, जिनमें अनुषा विश्वनाथन, ऋतब्रत मुखर्जी और सत्यप्रिया मुखोपाध्याय मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसके अलावा अन्य सहायक कलाकारों में बिदिप्त चक्रवर्ती शामिल हैं। फिल्म में संगीत गौरव चटर्जी ने दिया है और इसके गाने लोकहिचारा ने लिखे हैं। फिल्म का छायांकन जॉयदीप भौमिक ने किया है और संपादन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अर्घ्यकमल मित्रा ने किया है।

हेमंतेर अपरान्ह का निर्माण आदर्श टेलीमीडिया और एवी प्रोडक्शंस की ओर से अमित अग्रवाल और अशोक विश्वनाथन द्वारा किया गया है। यह फिल्म 12 जुलाई, 2024 को देशभर के सिनेमाघरों में एक साथ रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

टीएमसी सुप्रीमो से एनडीए ने अपने स्पीकर पद के उम्मीदवार के लिए मांगा समर्थन

कोलफील्ड मिरर 26 जून (कोलकाता): लोकसभा अध्यक्ष (स्पीकर) के चयन के मुद्दे पर पक्ष और विपक्ष में सहमति नहीं बनी. इसके साथ ही तय होगा कि स्पीकर पद पर चुनाव होगा. इस चुनाव में पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस की भूमिका अहम हो गई है.

एक ओर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी को फोन करके एनडीए के स्पीकर पद के उम्मीदवार ओम बिरला के लिए समर्थन मांगा. दूसरी ओर तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने कांग्रेस पर एकतरफा उम्मीदवार घोषित करने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि के सुरेश को प्रत्याशी बनाने से पहले कांग्रेस ने तृणमूल कांग्रेस के साथ कोई चर्चा नहीं की.

ममता बनर्जी के बाद तृणमूल कांग्रेस के सबसे बड़े नेता अभिषेक बनर्जी डायमंड हार्बर लोकसभा सीट से सांसद हैं. उन्होंने मंगलवार (25 जून) को संसद भवन परिसर में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि कांग्रेस पार्टी ने लोकसभा अध्यक्ष का उम्मीदवार उतारने से पहले टीएमसी से कोई चर्चा नहीं है. उन्होंने इसे दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुए कहा कि कांग्रेस ने इस मामले में एकतरफा फैसला किया है.

बता दें कि लोकसभा में इस बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पास बहुमत नहीं है. अपने सहयोगी दलों के साथ मिलकर उसने लगातार तीसरी बार केंद्र में सरकार का गठन किया है. छोटे-छोटे दलों के अलावा नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जदयू) और आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की पार्टी तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) की मदद से वह सत्ता में आई है.

वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को मात्र 240 सीटें मिलीं, जबकि सहयोगी दलों के साथ मिलकर उसकी सीटें 290 से अधिक हो गईं. दूसरी ओर, विपक्षी दलों की संख्या इस बार बढ़कर 233 हो गई. इसलिए स्पीकर पद के लिए कांग्रेस ने इस बार अपना उम्मीदवार खड़ा करने का फैसला किया. वोटिंग से पहले मोदी विरोधी गुट की पार्टी टीएमसी के नेता अभिषेक ने कांग्रेस पर एकतरफा फैसला लेने का आरोप लगा दिया है.

मेदिनीपुर समन्वय बेलदा इकाई की वार्षिक महासभा में बनी भविष्य की योजना

तारकेश कुमार ओझा

कोलफील्ड मिरर 26 जून (खड़गपुर/बेलदा): पश्चिम मेदिनीपुर जिला अंतर्गत मेदिनीपुर की सामाजिक संस्था मेदिनीपुर समन्वय संस्था की बेलदा क्षेत्रीय इकाई की तीसरी वार्षिक आम बैठक पश्चिम नारायणगढ़, दांतन-1, दांतन-2, मोहनपुर, केशियाड़ी ब्लॉक के कई प्रमुख लोगों की उपस्थिति में आयोजित की गई। कार्यक्रम की शुरुआत टीआई कॉलेज में ध्वजारोहण और उद्‌घाटन गीत से हुई। बेलदा कॉलेज के प्राचार्य चन्द्रशेखर हाजरा ने विधिवत समारोह का उद्‌घाटन किया। कार्यकारी अध्यक्ष प्रधानाध्यापक सूर्यकांति नंदा ने स्वागत भाषण दिया। सम्पादकीय रिपोर्ट सचिव पुलक पात्र ने प्रस्तुत की। आय-व्यय लेखा कोषाध्यक्ष सत्रजीत जाना ने प्रस्तुत किया और रिपोर्ट पर डॉ. रंजन शास्मल, तपन पहाड़ी, केंद्रीय समिति के संयुक्त सचिव अमित कुमार साहू और सह-कोषाध्यक्ष अमिय बरन माईती सहित 11 प्रतिनिधियों ने चर्चा की। एकत्रित प्रतिनिधियों के सामने मेदिनीपुर समन्वय संस्था और मेदिनीपुर भवन के विकास की कहानी प्रस्तुत की। प्रख्यात शिक्षक जन्मेजय साहू, लोक कवि परेश बेरा, बेलदा गंगाधर अकादमी के प्राचार्य कार्तिक आचार्य और अन्य ने सभा संबोधित किया।

इस अवसर पर भगवती देवी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सिद्धार्थ मिश्रा, कलाकार सुधीर माईती, शिक्षक और सांस्कृतिक उप-समिति के संयोजक अंजन चंद्र, पर्यावरण उप-समिति के संयोजक हरिपद पात्र, पत्रकार विश्वसिंधुदे और अन्य उपस्थित थे।

कार्यक्रम मंच से प्रख्यात शिक्षक मृत्युंजय जाना एवं सावित्री सरकार को सम्मानित किया गया। पूरे कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रमुख शिक्षा प्रशासक प्रदीप कुमार पति ने की। अखिलबंधु महापात्र और स्वपन घोष ने सभा का संचालन किया।

पानी की समस्या को लेकर महिलाओ ने खदान बंद कर किया प्रदर्शन

कोलफील्ड मिरर 26 जून (जामुड़िया): पानी की समस्या को लेकर मंगलवार को ईसीएल केंदा एरिया के लोअर केंदा कोलियरी 6 नंबर पिट खदान को बंद कर महिलाओ द्वारा प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कोलियरी के मैनेजर, पर्सनल मैनेजर तथा ओवरशियर का घेराव उनके कार्यालय में महिलाओ द्वारा किया गया।

प्रदर्शन का नेतृत्व कर रही महिला तृणमूल कांग्रेस नेत्री सिउली बनर्जी ने बताया कि 10 दिनों से पंप खराब होने के कारण खास केंदा के भस्का धावड़ा, कंटीन पड़ा, दुतल्ला सेंटर, सिनेमा धावड़ा, बाली ब्लॉक आदि इलाको में पानी सप्लाई बंद था जिसके कारण लोगो को भरी दिक्कत उठानी पड़ी। वही दो दिन पहले पंप बनकर आया लेकिन एक दिन बाद ही पंप फिर से खराब हो गया जिससे पानी सप्लाई फिर से बंद हो गया। पानी की समस्या से जूझ रही महिलाओ के सब्र का बांध टूट गया जिसके बाद महिलाओ द्वारा कोलियरी का काम बंद करा ईसीएल अधिकारियों का घेराव किया गया। उन्होंने बताया की सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक घेराव प्रदर्शन चला।

इस दौरान प्रबंधन द्वारा आश्वासन दिया गया की बुधवार 11 से 12 बजे तक पंप लगा पानी सप्लाई करा दिया जायेगा। उन्होंने कहा की यदि बुधवार तक पानी चालू नहीं हुआ हो और वृहद आंदोलन किया जाएगा।

प्रस्तावित बायपास रोड के निर्माण को लेकर स्थानीय निवासियों का प्रदर्शन

कोलफील्ड मिरर 26 जून (रानीगंज): मंगलपुर के रोनाई इलाके में प्रस्तावित बायपास रोड के निर्माण को लेकर मंगलवार को स्थानीय निवासियों ने विरोध प्रदर्शन किया। उनका कहना है कि बांकुड़ा को जोड़ने वाली इस बायपास सड़क के निर्माण के लिए उनसे जमीन ली गई है, लेकिन अभी तक उन्हें जमीन के बदले मुआवजा नहीं मिला है। इसके अलावा, प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि बाहरी लोगों को काम पर रखा जा रहा है, जबकि स्थानीय युवाओं को नौकरी नहीं दी जा रही है। उन्होंने स्थानीय युवाओं को नौकरी देने और कलवर्ट की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान लोगों का कहना था कि इस बायपास के निर्माण को लेकर उन्हें कोई नोटिस नहीं दिया गया है।

इस विरोध प्रदर्शन की जानकारी मिलने पर रानीगंज बोरो चेयरमैन मुजम्मिल शहजादा और टीएमसी पार्षद अख्तरी खातून भी मौके पर पहुंचे और लोगों से बातचीत की। मुजम्मिल शहजादा ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि बायपास का निर्माण किया जाएगा और इसके लिए लोगों की जमीन ली गई है, लेकिन लोगों को मुआवजा नहीं मिला है।

उन्होंने बताया कि स्थानीय लोग खेती-बाड़ी करते हैं और एक कलवर्ट को बंद कर दिया गया है। लोगों का कहना है कि अगर कलवर्ट बंद हो गया तो बारिश के मौसम में गांव बाढ़ में डूब सकता है क्योंकि इस कलवर्ट से होकर बारिश का पानी नदी में जाता है। उन्होंने मांग की कि कलवर्ट को बंद नहीं किया जाना चाहिए, साथ ही सर्विस रोड और स्थानीय युवाओं को नौकरी देने की भी मांग की। प्रबंधन के साथ बातचीत के बाद उन्होंने कहा कि उच्च अधिकारियों से बात की जाएगी और शाम को एक बैठक होगी।

अख्तरी खातून ने भी बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग 14 बायपास का निर्माण हो रहा है और लोगों को मुआवजा नहीं मिला है। बाहर से लोगों को लाकर नौकरी दी जा रही है जबकि स्थानीय युवाओं को नौकरी मिलनी चाहिए। कलवर्ट को बंद करने से बारिश के मौसम में गांव के पानी में डूबने की आशंका है।

प्रदर्शनकारियों की मांगों के समर्थन में कुछ देर के लिए काम रोक दिया गया और प्रबंधन से बातचीत के बाद उन्होंने कहा कि मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा। मास पिटीशन पुलिस थाना, बोरो कार्यालय और विभिन्न सरकारी दफ्तरों को दिया जाएगा। स्थानीय निवासियों का कहना है कि जमीन के बदले उन्हें जल्द से जल्द मुआवजा मिलना चाहिए और उन्हें इस दफ्तर से उस दफ्तर दौड़ाया जा रहा है।

गरीब तुम अपराधी हो

हो अगर शहरी गरीब
तो फिर तुम अपराधी हो
तुम्हारे भूख से हमें क्या?
तुम रहो भूखे
भूखे रहे तुम्हारे बच्चे
तुम्हारे भूख से ज्यादा जरूरी है
मेरे शहर की सुन्दरता
मेरा शहर
सुन्दर शहर
बड़े बड़े मॉल वाला शहर
फाइव स्टार होटलो वाला शहर
अमीरों के चोचलो वाला शहर
गरीबों से नफ़रत करने वाला शहर
तुम तो गरीब हो
फिर क्या अधिकार है तुम्हे
इस सुन्दर, सुव्यवस्थित और
अमीरों के शहर में रहने का?

जितेंद्र कुमार तिवारी
आसनसोल, पश्चिम बंगाल
कोलफील्ड मिरर

आसनसोल रेल मंडल द्वारा किया गया ऑनबोर्ड हाउसकीपिंग सेवाओं में सुधार

कोलफील्ड मिरर 26 जून (आसनसोल): पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल को अपनी ऑनबोर्ड हाउसकीपिंग सेवाओं में महत्वपूर्ण सुधार की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है, जिसका मुख्य उद्देश्य यात्रियों के लिए बेहतर यात्रा अनुभव सुनिश्चित करना है। ओबीएचएस, मंडल द्वारा संचालित सभी ट्रेनों में सफाई और स्वच्छता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

ओबीएचएस की मुख्य विशेषताएं और सुधार:

चौबीसों घंटे साफ-सफाई: ओबीएचएस की टीमें पूरी यात्रा के दौरान शौचालय, गलियारे और बैठने की जगहों सहित कोचों में साफ-सफाई बनाए रखती हैं।

तत्काल सहायता: यात्री अब एसएमएस या मोबाइल ऐप के माध्यम से तुरंत हाउसकीपिंग सेवाओं का अनुरोध कर सकते हैं, जिससे सफाई की जरूरतों पर तुरंत ध्यान दिया जा सके।

निगरानी का कार्य निष्पादन: पारदर्शिता और जवाबदेही के लिए यात्रियों के पास ऑफ़लाइन और ऑनलाइन दोनों तरह से ओबीएचएस कार्य निष्पादन की निगरानी रखने की क्षमता है।

ऑफ़लाइन निगरानी: कार्य निष्पादन को यात्री संतुष्टि सूचकांक के माध्यम से ट्रैक किया जाता है। रेल मदद के माध्यम से फीडबैक दिया जा सकता है, जहाँ सेवाओं को उत्कृष्ट, संतोषजनक या असंतोषजनक के रूप में रेट दिया जाता है। हाल के डेटा में यात्री संतुष्टि में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है, पिछले कई महीनों से रेटिंग लगातार 75% से ऊपर है।

प्रशिक्षित कर्मचारी: समर्पित हाउसकीपिंग स्टाफ, जो स्वच्छता और सफाई में पेशेवर रूप से प्रशिक्षित हैं, यह सुनिश्चित करते हैं कि स्वच्छता मानकों को पूरा किया जाए और उससे भी बढ़कर कार्य हो।

सेवा अवलोकन:

एसी कोच: प्रत्येक कोच को निरंतर साफ-सफाई और लिनन वितरण के लिए आवश्यक उपकरणों और रसायनों से लैस एक "कोच मित्र" सौंपा जाता है।

गैर-एसी कोच: प्रति चार कोच में एक कर्मचारी सदस्य पूरी यात्रा के दौरान निरंतर साफ-सफाई सुनिश्चित करता है।

सफाई का शेड्यूल: सुबह, दोपहर और शाम को निर्धारित सफाई के समय में अतिरिक्त जरूरतों के लिए ऑन-कॉल उपलब्धता द्वारा पूरक किया जाता है।

उपस्थिति की निगरानी: ओबीएचएस स्टाफ की उपस्थिति को प्रमुख स्थानों पर जीपीएस- आधारित कैमरों के माध्यम से निगरानी किया जाता है, जिससे सेवा वितरण में विश्वसनीयता और स्थिरता सुनिश्चित होती है।

अपशिष्ट प्रबंधन: प्रभावी अपशिष्ट संग्रह और निपटान प्रक्रिया ऑन-बोर्ड एक स्वस्थ वातावरण बनाए रखती हैं।

यात्रियों को होने वाले लाभ:

बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान करना : एक स्वच्छ वातावरण, यात्रा के दौरान आराम और संतुष्टि काफी हद तक बढ़ जाता है।

स्वास्थ्य और सुरक्षा: बेहतर स्वच्छता मानक, यात्रियों के लिए बेहतर स्वास्थ्य परिणामों में योगदान करते हैं।

सुविधा : हाउसकीपिंग सेवाओं तक तत्काल पहुंच, एक परेशानी मुक्त यात्रा अनुभव सुनिश्चित करती है।

आसनसोल मंडल सुरक्षित, आरामदायक और कुशल यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह पहल सभी ट्रेनों में उच्च स्वच्छता और स्वच्छता मानकों को बनाए रखने के लिए हमारे समर्पण को दर्शाती करती है।

लोको पायलट बिजय कुमार को मंडल गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया गया

कोलफील्ड मिरर 26 जून (आसनसोल): मेल एक्सप्रेस/ आसनसोल मंडल के लोको पायलट बिजय कुमार को मई 2024 के लिए प्रतिष्ठित मंडल गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। मंडल रेल प्रबंधक चेतना नंद सिंह ने उनके अनुकरणीय प्रदर्शन और समर्पण के सम्मान में पुरस्कार प्रदान किया।

30 मई, 2024 को ट्रेन नंबर 15047 कोलकाता- गोरखपुर अप पूर्वांचल एक्सप्रेस का संचालन करते समय श्री कुमार को विद्यासागर स्टेशन के पास एक गंभीर स्थिति का सामना करना पड़ा। एक बड़ी पेड़ की शाखा ट्रैक पर गिरी हुई थी, जिससे काफी खतरा हो सकता था।

अपनी त्वरित सोच और पेशेवर क्षमता का प्रदर्शन करते हुए, उन्होंने संभावित दुर्घटना को टालने के लिए ट्रेन को रोक दिया।

श्री कुमार की त्वरित कार्रवाई ने यात्रियों की सुरक्षा और परिचालन दक्षता सुनिश्चित की। उनकी सतर्कता और उत्कृष्ट योगदान के कारण उन्हें मंडल गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

यह पुरस्कार आसनसोल मंडल में उनके सहकर्मियों के लिए एक प्रेरणा है।

मंडल रेल प्रबंधक ने श्री कुमार की उनके असाधारण प्रदर्शन और समर्पण की प्रशंसा की।

शहीद दिवस को लेकर कुल्टी ब्लॉक युवा तृणमूल कांग्रेस ने किया प्रचार

कोलफील्ड मिरर 26 जून (नियामतपुर): मंगलवार को कुल्टी ब्लॉक युवा तृणमूल कांग्रेस ने 21 जुलाई को कोलकाता में आयोजित होने वाले शहीद दिवस पर रैली को लेकर एक अभियान चलाया. विभिन्न दीवार पर स्लोगन लिखकर इस अभियान की शुरुआत की गयी. मौके पर जिला तृणमूल अध्यक्ष पार्थ डायसी, पूर्व तृणमूल पार्षद मीर हाशिम और कुल्टी ब्लॉक युवा तृणमूल अध्यक्ष बिमान दत्ता उपस्थित थे।

पार्थ डायसी ने कहा कि बीजेपी राज्य में झूठ फैलाना चाहती है. लेकिन राज्य की जनता ने बीते लोकसभा चुनाव में यह स्पष्ट कर दिया है कि उन्हें मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी पर भरोसा है। इसलिए यह सभा ऐतिहासिक होने वाली है.

पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल ने टिकट चेकिंग अभियान में उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त किया

कोलफील्ड मिरर 26 जून (आसनसोल): पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल ने 11 जून से 20 जून, 2024 तक आयोजित व्यापक टिकट चेकिंग अभियान को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। इस पहल का उद्देश्य टिकट नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करना और यात्रियों के बीच उचित यात्रा प्रथाओं को बढ़ावा देना है।

इस गहन अभियान के दौरान, अधिकारियों ने टिकट उल्लंघन के 12,429 मामलों की पहचान की, जिसके परिणामस्वरूप कुल 68,12,028/- रुपये का जुर्माना लगाया गया। यह पर्याप्त राशि टिकट नियमों को लागू करने और गैर-अनुपालन के मामलों को प्रभावी ढंग से संबोधित करने के लिए मंडल के समर्पण को दर्शाती है।

इसके अलावा, अभियान में बिना बुक किए गए सामान के अपराधों पर भी ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें 617 ऐसे मामलों की पहचान की गई और 51,260/- रुपये का जुर्माना लगाया गया। यह प्रयास बैगेज नीतियों को विनियमित करने और सभी यात्री सामान का उचित तरीके से दस्तावेजीकरण और भुगतान सुनिश्चित करने के लिए मंडल की प्रतिबद्धता पर जोर देता है।

कुल मिलाकर, टिकट जाँच अभियान में कुल 13,046 उल्लंघनों का पता चला, जिसमें 68,63,288/- रुपये का जुर्माना लगाया गया। जुर्माने से प्राप्त होने वाला महत्वपूर्ण राजस्व मंडल के संसाधनों को बढ़ाने में योगदान देगा, जिससे यात्री सेवाओं और सुविधाओं में सुधार होगा।

आसनसोल, जसीडीह, मधुपुर, दुर्गापुर, अंडाल, चित्तरंजन, रानीगंज, बराकर, और जामताड़ा जैसे प्रमुख स्टेशनों को किलेबंदी के माध्यम से अभियान में शामिल किया गया। व्यापक कवरेज और गहन निरीक्षण सुनिश्चित करने के लिए इन स्टेशनों को रणनीतिक रूप से चुना गया था।

आसनसोल मंडल बिना टिकट यात्रा को कम करने और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि सभी यात्री टिकटिंग नियमों का पालन करें। इस हालिया अभियान की सफलता निरंतर निगरानी और सख्त प्रवर्तन की प्रभावशीलता को उजागर करती है। मंडल इस अवधि के दौरान यात्रियों के सहयोग की सराहना करता है और सभी को असुविधाओं और दंड से बचने के लिए वैध टिकट के साथ यात्रा करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

ट्रैफिक नियम तोड़ने पर 50 टोटो जब्त

कोलफील्ड मिरर 26 जून (आसनसोल): शहर में दिन प्रतिदिन टोटो ऑटो के बढ़ती संख्या के वजह से ट्रैफिक व्यवस्था चरमरा गई है. आसनसोल में ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर करने के लिए जीटी रोड के दोनों छोर से शहर में प्रवेश पर पाबंदी लगाई गई है। लेकिन नियमों की अनदेखी कर टोटो चालक जीटी रोड पर शहर में टोटो चला रहे थे। इसकी शिकायतें मिलने के बाद आसनसोल दक्षिण ट्रैफिक गार्ड द्वारा दोनों छोर पर घेराबंदी कर टोटो के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया।

इस अभियान के दौरान करीब 50 टोटो को जब्त किया गया। सभी टोटो को पुलिस जब्त कर ले गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि जिन टोटों का पंजीकरण है, उनपर जुर्माना लगाया जायेगा। वहीं जिनका पंजीकरण नहीं है, उनको हमेशा के लिए जब्त कर लिया जायेगा।

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि शहर में जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए जीटी रोड के दोनों छोर पर टोटो पर नियंत्रण लगाया गया है।

लेकिन कुछ टोटो चालक इसके बाद भी नियमों का उल्लंघन कर शहर में जीटी रोड पर आवागमन कर रहे थे।

सड़क दुर्घटना में एक बाइक सवार की मौत, दूसरा गंभीर

कोलफील्ड मिरर 26 जून (कांकसा): सड़क दुर्घटना में एक बाइक सवार की मौत हो गई, दूसरा बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना मंगलवार की शाम करीब साढ़े चार बजे आसनसोल जाने वाली सड़क पर कांकसा खतपुकुर इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग पर घटी. हादसे की सूचना मिलने के बाद कांकसा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची. पुलिस सूत्रों के अनुसार, बाइक पर एक महिला और एक पुरुष सवार होकर आसनसोल की ओर जा रहे थे, तभी आसनसोल में एक छोटी कार ने पीछे से टक्कर मार दी और बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़ी एक लॉरी के पीछे जा टकराई. उधर, छोटी कार अनियंत्रित होकर लॉरी के एक तरफ से जा टकराई, हादसे में बाइक सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने दो लोगों को उपजिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने एक को मृत घोषित कर दिया. दूसरे का इलाज अनुमंडलीय अस्पताल में चल रहा है। कांकसा थाने की पुलिस ने बाइक, छोटी कार व लॉरी को जब्त कर लिया.

श्री श्याम मंदिर में 64वां ताली उत्सव धूमधाम से मनाया गया

दलजीत सिंह

कोलफील्ड मिरर 26 जून (रानीगंज): भव्य श्री श्याम मंदिर प्रांगण मे श्री श्री श्याम मंडल बर्नपुर के 64वें ताली उत्सव का आयोजन किया गया। श्री नरसिंह बांध बालाजी धाम (बर्नपुर) के सानिध्य में संतोष भाई जी मुख्य तौर पर उपस्थित होकर श्याम बाबा का आशीर्वाद लिये। मंदिर कमेटी के सदस्यों ने उन्हें उत्तरीय पहनाकर उनका स्वागत किया।

इस मौके पर रानीगंज श्री श्याम बाल मंडल के अध्यक्ष बिमल सराफ, सचिव पवन केजरीवाल, बिष्णु सराफ, बिनोद बंसल, पप्पू माटोलिया, राहुल केजरीवाल, संदीप शर्मा, बृजेश अग्रवाल और अन्य श्याम भक्तगण मौजूद थे।

संदीप शर्मा ने बताया कि संतोष भाई जी विशेष रूप से उपस्थित थे और उनके सानिध्य में करीब 400 यात्री बालाजी धाम (बस और कार) से पधारे थे। श्री श्याम मंदिर रानीगंज में हजारों की संख्या में भक्तों ने बाबा का आशीर्वाद प्राप्त किया। भजन-कीर्तन और भंडारे का भी आयोजन किया गया।

पवन केजरीवाल ने बताया कि रानीगंज का श्री श्याम मंदिर देश का तीसरा सबसे बड़ा श्याम मंदिर माना जाता है, जहां प्रतिदिन हजारों की संख्या में भक्त दर्शन के लिए आते हैं। इस अवसर पर मंदिर में विशेष दरबार का आयोजन किया गया, जिसमें सिंगार का भी प्रबंध किया गया था।

संतोष भाई जी ने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि हमें श्याम बाबा का आशीर्वाद प्राप्त करने का अवसर मिला। भक्तों की इतनी बड़ी संख्या देखकर मन बहुत प्रसन्न हुआ। भाईजी ने श्री श्याम बाल मंडल को विशेष रूप से आशीर्वाद दिया कि वह इसी प्रकार से आगे भी सेवा कार्य निरंतर करते रहे।

शाहिद सभा को सफल बनाने के लिए बैठक का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 26 जून (जामुड़िया): ब्लॉक दो तृणमूल कांग्रेस की ओर से न्यू केंदा मोड़ स्तिथ ब्लॉक कार्यालय में बुधवार को बैठक का आयोजन किया गया। आगामी 21 जुलाई को कोलकाता में आयोजित होने वाले शाहिद सभा को सफल बनाने के लिए बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान जामुड़िया विधायक हरेराम सिंह ने कहा कि हर साल की तरह इस साल भी आगामी 21 जुलाई को कोलकाता में शाहिद सभा का आयोजन किया जाएगा। वही सभा में ज्यादा से ज्यादा लोगों को सम्मिलित होने के लिए तृणमूल कार्यकर्ताओं को प्रचार अभियान चलाना होगा। उन्होंने कहा की शाहिद हुए तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं को श्रद्धांजलि देने के लिए प्रति वर्ष तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी द्वारा 21 जुलाई को शाहिद सभा का आयोजन किया जाता है।

बैठक के दौरान तृणमूल कांग्रेस के जामुड़िया ब्लॉक दो अधक्ष्या सिद्धार्थ राना, महिला ब्लॉक दो सभापति पुतुल बनर्जी, अंचल सभापति बीजू बनर्जी, महेश पासवान, उदिप सिंह, संदीप सिन्हा, जगन्नाथ सेठ आदि प्रमुख रूप से मौजूद थे।

जीवन की असफलताओं से कभी घबराना नहीं- कनिका

कोलफील्ड मिरर 26 जून (रानीगंज): महिलाएं परिवार की संरचना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है. उक्त बातें भारत की सुप्रसिद्ध फैशन डिजाइनर कनिका भालोटीया ने कहीं। उन्होंने कहा कि महिलाओं का समाज में शिक्षा और सांस्कृतिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान रहा है, उनके माध्यम से समाज में ज्ञान और सांस्कृतिक मूल्यों का प्रचार प्रसार होता है. महिला उद्यमी ने देश के साथ-साथ विदेशो में अपने काबिलियत का सिक्का भी जमाया है, जो सफलतापूर्वक चुनौतियों का प्रबंधन व सामना करते है, वह जीवन के पद पर खुशहालपूर्वक अग्रसर होता है, कनिका भालोटीया ने बताया कि जीवन की असफलताओं से कभी घबराना नहीं चाहिए, बल्कि हमेशा सीख कर आगे बढ़ते रहना चाहिए।

स्वच्छता पखवाड़ा को ले शताक्षी महिला मंडल की ओर से कई कार्यक्रमों का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 26 जून (पांडवेश्वर): शताक्षी महिला मंडल की कुनुस्तोड़िया शाखा की ओर से स्वच्छता पखवाड़ा के तहत बेलबाद फ्री प्राइमरी स्कूल में बच्चों के बीच, ड्रॉइंग कंपटीशन व एस्से कंपटीशन कराया गया, साथ ही, स्वच्छता संबंधी नुक्कड़ नाटक में भाग लिए हुए बच्चों को प्रोत्साहित भी किया गया, इस अवसर पर कुनुस्तोडिया क्षेत्र की शताक्षी महिला मंडल की अध्यक्षा कंचन माला ने बताया की हमारी अध्यक्षा मिली दता और सभी उपाध्यक्षो की मार्गदर्शन में शताक्षी महिला मंडल विविध आयोजन करती है और हर संभव मदद में शताक्षी महिला मंडल आगे रहती है, उन्होंने कहा कि चल रहे स्वच्छता पखवाड़ा को अपने जीवन का अंग बनाने के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र छात्राओं के बीच स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के साथ नुक्कड़ नाटक का भी आयोजन किया गया ताकि लोगो ने साफ सफाई के प्रति जागरूकता पैदा हो सके, उन्होंने पर्यावरण की रक्षा करने का संकल्प लेने के साथ माहौल को हरा भरा बनाने के लिए पौधारोपण भी किया, इस अवसर पर शताक्षी महिला मंडल की सभी सदस्य उपस्थित थी.

आज का राशिफल

26 जून 2024
बुधवार

ज्योतिष सम्राट
श्री एस के पांडेय
9474017999

कोलफील्ड मिरर

मेष
दिन बढ़िया रहेगा। कोई निर्णय लेने में आत्मविश्वास की स्थिति रहेगी। व्यवसाय में सफल रहेंगे। छात्रों को करियर में विशेष सफलता मिलेगी। लेनदेने में विशेष सावधानी बरतें।

वृषभ
दिन मिलाजुला रहेगा। ज्यादा यात्रा से बचना होगा। पिता के आशीर्वाद से लाभ मिलेगा। धार्मिक यात्रा का प्लान बनाएंगे। अपनी संतान से संबंधित कुछ जरूरी निर्णय लेने पड़ सकते हैं।

मिथुन
दिन अच्छा रहेगा। क्रोध व भावुकता से बचें। नौकरी में परिवर्तन की योजना बना सकते हैं। सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को भी लाभ मिल सकता है। गृह कार्यों में लाभ दिख रहा है।

कर्क
दिन बढ़िया रहेगा। व्यवसाय में सफलता की प्राप्ति होगी। गृह निर्माण सम्बन्धित कार्यों में व्यस्त रहेंगे। रुका कार्य पूर्ण होगा। जॉब में सफलता की प्राप्ति होगी। विद्यार्थी सफल रहेंगे।

सिंह
दिन उत्तम रहेगा। पिता का आशीर्वाद प्राप्त करे। ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से चल रही नाराजगी दूर होगी। अपने मधुर वाणी से लोगो का दिल जीतेंगे। कारोबार में सफल रहेंगे।

कन्या
दिन अच्छा रहेगा। धार्मिक कार्यों में मन लगेगा। लाभ प्राप्त होगा। नया कार्य आरंभ कर सकते हैं। सभी कार्य आसानी से पूरे हो सकेंगे। कही भी धन का निवेश करने से बचें।

तुला
दिन शानदार रहेगा। राजनीती में सफलता की प्राप्ति होगी। नौकरी में बड़ा लाभ रहेगा। सच्चे दिल से दुसरो की सेवा करेंगे। जॉब में उच्चाधिकारियों से लाभ होगा। वाणी पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक
दिन मिलाजुला रहेगा। अपने कार्यों के प्रति सचेत रहें। व्यवसाय में कोई बड़ा लाभ हो सकता है। दांपत्य जीवन में तनाव की स्थिति बन सकती है। मन कुछ दुखी व परेशान रहेगा।

धनु
दिन बढ़िया रहेगा। व्यवसाय में सफलता की प्राप्ति होगी। धन का आगमन होगा। सेहत में लापरवाही से बचें। छात्रो को सफलता की प्राप्ति होगी। छात्रो को गुरुजनों का साथ मिलेगा।

मकर
दिन उत्तम रहेगा। व्यवसाय को नई सकारात्मक दिशा देंगे। राजनीतिज्ञ लाभान्वित होंगे। नौकरी में प्रोमोशन का मार्ग खुलेगा। कार्यों को पूर्ण करने में अधिक परिश्रम करना पड़ सकता है।

कुंभ
दिन सामान्य रहेगा। नौकरी में प्रोमोशन के संकेत हैं। बाजार की स्थिति को ध्यान में रखकर निवेश करें। ऑनलाइन लेनदेने में सावधानी बरतें। सभी कार्य आसानी से पूरा कर पाएंगे।

मीन
दिन बढ़िया रहेगा। व्यवसाय में परिश्रम अधिक हो सकता है। छात्र सफलता की प्राप्ति करेंगे। अपने कॅरियर को नई दिशा देंगे। संतान पक्ष से आपको शुभ समाचार सुनने को मिल सकता है।

मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर उपायुक्त एवं एसएसपी ने पदाधिकारी एवं कर्मियों को किया ब्रीफ

*** धनबाद जिला अंतर्गत विभिन्न योजनाओं के शिलान्यास एवं उद्घाटन सह परिसंपत्ति वितरण कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री होंगे शामिल,**
*** सारे प्रोटोकॉल के मानकों का पालन करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाएं- उपायुक्त**
*** शहर की ट्रैफिक एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर दिए गए आवश्यक दिशा निर्देश**

कोलफील्ड मिरर 26 जून (धनबाद): मुख्यमंत्री, झारखंड सरकार, चम्पाई सोरेन कल 26 जून को धनबाद जिला के बिरसा मुंडा मेगा स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में आयोजित जिला अंतर्गत विभिन्न योजनाओं के शिलान्यास एवं उद्घाटन सह परिसंपत्ति वितरण कार्यक्रम में शामिल होंगे।

धनबाद आगमन हेतु उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सुश्री माधवी मिश्रा एवं वरीय पुलिस अधीक्षक एच पी जनार्दनन के संयुक्त अध्यक्षता में संबंधित प्रतिनियुक्ति दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल, सिविल सर्जन, धनबाद अग्निशमन पदाधिकारी, धनबाद, कार्यपालक अभियंता/ संबंधित अभियंता, भवन प्रमण्डल/ विधुत प्रमण्डल/ पथ निर्माण/ एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी को बिरसा मुंडा मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, में ब्रीफिंग किया गया।

उपायुक्त ने कहा की सभी लोग अपने काम में अलर्ट, सिंसियर एवं फोकस रहे। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है। जिसे अंतिम रूप दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि हैलीपैड पर भी सारी व्यवस्था दुरुस्त कर ली गई है। सभी स्थानों पर सुरक्षा बल की तैनाती, प्रवेश द्वार पर विशेष सुरक्षा, वीआईपी, लाभुक समेत आम नागरिकों के बैठने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

साथ ही साथ सिविल सर्जन एवं डॉक्टर की प्रतिनियुक्ति की गई है और अलर्ट मोड पर रहने का निर्देश दिया गया है। तय रूट मैप के अनुसार वाहनों की पार्किंग तथा कुछ स्थलों पर वाहनों की नोइंट्री रखने का निर्देश दिया है। इसके अलावा अग्निशमन विभाग की गाड़ियां चिन्हित स्थानों पर उपलब्ध करने के निर्देश दिए गए हैं।

मौके पर सीटी एसपी, रूरल एसपी, निदेशक डीआरडीए, डीएसपी, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर, जिला परिवहन पदाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल, सिविल सर्जन, धनबाद अग्निशमन पदाधिकारी, धनबाद, कार्यपालक अभियंता/ संबंधित अभियंता, भवन प्रमण्डल/ विधुत प्रमण्डल/ पथ निर्माण/ एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी मौजूद थे।

होटवार जेल में कल्पना सोरेन ने हेमंत सोरेन से की मुलाकात

कोलफील्ड मिरर 26 जून (धनबाद): रांची/ जमीन घोटाला मामले में होटवार जेल में बंद झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से आज बुधवार को उनकी पत्नी और नवनिर्वाचित विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन ने होटवार जेल में मुलाकात की।

जमीन घोटाला मामले में होटवार जेल में बंद झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से आज बुधवार को उनकी पत्नी और नवनिर्वाचित

विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन ने होटवार जेल में मुलाकात की।

झारखंड कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने भी हेमंत सोरेन से मुलाकात की। इस मुलाकात को लेकर कयास लगाया जा रहे हैं कि कई अहम मुद्दों पर खास बातचीत हुई होगी।

गौरतलब है कि जेल में बंद झारखंड के ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है जिसके बाद एक मंत्री पद खाली हुआ है।

रिश्तेदारों नें विधवा परिवार को प्रताड़ित कर किया बेघर, जान-माल का खतरा

कोलफील्ड मिरर 26 जून (धनबाद): कृष्णा नगर हीरापुर निवासी एक विधवा रूपा सिंह ने महिला थाना में एक लिखित शिकायत देकर स्वयं एवं अपने बच्चों के ऊपर जान का खतरा बताया है।

उन्होंने अपने सास ससुर और देवर पर धनबाद शहर सहित गांव की अचल संपत्ति को हड़पने की आशंका जताया है। पिछले 23 जून को सास सीता देवी और ससुर विजय सिंह ने अपनी विधवा बहु रूपा के साथ मारपीट कर उन्हें घर से निकाल दिया। वे भय के मारे बेटे को लेकर घर से निकल गयी।

रूपा की एक संतान पत्रकार है, जिसने धनबाद थाना और महिला थाना में आवेदन पर त्वरित और यथोचित कार्रवाई करने का आग्रह किया। लेकिन दोनों थानों की पुलिस ने कोई संज्ञान नहीं लिया। देर रात पत्रकार पुत्री ने सिटी एसपी को इसकी जानकारी दी, तब पुलिस हरकत में आई। सास ससुर के भय से यह परिवार बेघर होकर गांव चला गया। पीड़ित पत्रकार ने मामले की शिकायत पीजी पोर्टल पर पीएमओ और सीएमओ में भी की है।

खदान सर्वेयर खान सर्वेक्षण प्रौद्योगिकी की बारीकियों से परिचित हुए

कोलफील्ड मिरर 26 जून (धनबाद): कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) की विभिन्न अनुसंगी ईकाइयाँ जैसे की भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल), ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल), सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल), वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (डब्ल्यूसीएल), महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) नॉर्थ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनईसीएल) में कार्यरत कुल 82 खदान सर्वेयरों का खान सर्वेक्षण प्रौद्योगिकी में प्रगति पर आईआईटी (आईएसएम) धनबाद में आज छह सप्ताह के गहन पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में खान सर्वेक्षण प्रौद्योगिकी की बारीकियों से परिचय हुआ।

मौका था छह सप्ताह के कार्यक्रम के पहले दिन का जिसका उद्घाटन आज आईआईटी (आईएसएम) के निदेशक प्रोफेसर सुकुमार मिश्रा ने मुख्य अतिथि के रूप में संस्थान के कार्यकारी विकास केंद्र में किया। जियोडेसी, रिमोट सेंसिंग, भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस), ढलान स्थिरता और धंसाव निगरानी आदि के बारे में खान सर्वेक्षणकर्ताओं को अवगत कराने के लिए आयोजित किया जा रहा पाठ्यक्रम आईआईटी (आईएसएम) के खनन इंजीनियरिंग विभाग द्वारा टेक्स्मिन फाउंडेशन, जो की एक अनुभाग 8 कंपनी है के सहयोग से चलाया जा रहा है.

भाग लेने वाले खदान सर्वेक्षकों को संबोधित करते हुए, जिसमें निजी खदान उत्खननकर्ताओं के कुछ सर्वेक्षक भी शामिल थे, प्रोफेसर सुकुमार मिश्रा ने भूमिगत और सतह के माप, मानचित्रण और प्रबंधन की प्रक्रिया के माध्यम से खनन कार्यों में सुरक्षा और संसाधन प्रबंधन सुनिश्चित करने में खदान सर्वेक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला।

आईआईटी (आईएसएम) निदेशक ने कहा, "शाफ्ट, सुरंगों, भूमिगत सतह आदि की सटीक माप से बाढ़, छत गिरने और उपकरण क्षति जैसी दुर्घटनाओं को रोकने में मदद मिलती है" और कहा कि सैटेलाइट इमेजरी, ड्रोन और एरियल लीडर जैसी उन्नत प्रौद्योगिकियां खदानों के सतह पर हो रहे परिवर्तनों का पता लगाने में मदद कर सकती हैं।

प्रोफेसर धीरज कुमार, उप निदेशक आईआईटी (आईएसएम) जो उद्घाटन समारोह के दौरान पाठ्यक्रम समन्वयक के रूप में भी उपस्थित थे, ने संस्थान में एकत्रित खनन सर्वेक्षणकर्ताओं को बताया की व्याख्यान और ट्यूटोरियल के अलावा, चर्चा, भ्रमण और भूमिगत क्षेत्र का व्यापक दौरा भी छह सप्ताह के कार्यक्रम में शामिल है। खनन इंजीनियरिंग विभाग के प्रमुख, प्रोफेसर देवी प्रसाद मिश्रा ने भाग लेने वाले खान सर्वेक्षणकर्ताओं को अपने संबोधन में, उनसे अपने खान सर्वेक्षण कौशल को प्रखर करने के उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे छह सप्ताह के पाठ्यक्रम का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की।

खनन इंजीनियरिंग विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर, प्रोफेसर वसंत गोविंद कुमार विल्लुरी, जो प्रोफेसर मोहम्मद सोएब आलम के साथ दो पाठ्यक्रम सह समन्वयकों में से एक के रूप में उद्घाटन समारोह के दौरान उपस्थित थे, ने कहा कि खदान सर्वेक्षणकर्ताओं को प्रशिक्षित करने के लिए समय-समय पर ऐसे पाठ्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। खदानों के सर्वेक्षण में नवीनतम तकनीकों के उपयोग के बारे में जानकारी देते हुए, इस बार अधिकांश प्रतिभागियों के पास संबंधित संगठनों में 10 वर्षों से अधिक का अनुभव है।

टुंडी थाना के एएसआई पर हमला, हमलावर मानसिक रूप से बीमार

कोलफील्ड मिरर 26 जून (धनबाद): टुंडी थाना अंतर्गत कोलहर मनियाडीह मुख्य पथ पर पुरनाडीह गांव में बीती संध्या टुंडी थाना में पदस्थापित सहायक अवर निरीक्षक चंद्रपति सिंह के साथ पुरनाडीह गांव निवासी सुभाष कुमार साव नामक एक मानसिक रूप से बीमार युवक ने हमला कर उनका चश्मा एवं बाइक क्षतिग्रस्त कर दिया। चंद्रपति सिंह बिजली चोरी के एक केस की छानबीन करने गए थे।

उन्हें नहीं मालूम था कि सुभाष साव नामक सामने खड़ा युवक मानसिक रूप से बीमार है। उन्होंने उसी से बिजली चोरी से संबंधित एक केस के मामले में संतोष विश्वकर्मा के संबंध में कुछ पूछताछ की।

इससे वह भड़क गया और उन पर हमला कर दिया। इसी क्रम में उनका चश्मा पटक कर फोड़ दिया और उनके बाइक में भी पत्थर पटक कर क्षतिग्रस्त कर दिया। हो हल्ला सुन आसपास के काफी ग्रामीण जमा हो गए और बीच बचाव किया। इस बीच सूचना पाकर टुंडी थाना से अतिरिक्त पुलिस बल भी पहुंच गई और हमलावर उक्त मानसिक रूप से बीमार युवक को पकड़कर टुंडी थाना ले गई।

आरएसपी कॉलेज झरिया के स्थाई भवन निर्माण की स्वीकृति के संबंध में पत्राचार

कोलफील्ड मिरर 26 जून (धनबाद): रांची/ उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के प्रधान सचिव राहुल कुमार पुरवार से नेपाल हाउस सचिवालय रांची में मुलाकात के दौरान आरएसपी कॉलेज झरिया के स्थाई भवन निर्माण की स्वीकृति के संबंध में पत्राचार किया। साथ ही कहा की विधानसभा सत्र के दौरान विभागीय मंत्री ने आश्वस्त किया था की जल्द ही महाविद्यालय के स्थाई भवन की स्वीकृति मिलेगी। इसके साथ ही माननीय झरिया विधायक ने बीबीएमकेयु विश्वविद्यालय धनबाद के अप्रोच रोड के लिए जमीन उपलब्ध करवाने हेतु विभागीय सचिव को कहा। प्रधान सचिव ने विधायक जी को जल्द स्थाई भवन की स्वीकृति मिलने का भरोसा दिया तथा विश्व विद्यालय को अप्रोच रोड के लिए जमीन उपलब्ध करवाने के संबंध में उपायुक्त धनबाद को दूरभाष पर निर्देशित किया।

श्रमायुक्त से मिली विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह

कोलफील्ड मिरर 26 जून (धनबाद): रांची/ रांची स्थित श्रम भवन में श्रमायुक्त संजीव कुमार बेसरा से मिली माननीय विधायक श्रीमती पूर्णिमा नीरज सिंह। इस दौरान झारखंड भवन एवं संनिर्माण कल्याण बोर्ड का पिछले एक वर्ष से निबंधित निर्माण मजदूरों के लिए संचालित सभी प्रकार के सहायता योजनाओं को पुनः चालू करवाने, झरिया अंचल क्षेत्र में दिनांक 18 जून से 9 जुलाई 2024 तक आयोजित शिविरो में निबंधन प्रक्रिया सर्वर स्लो होने की वजह से प्रभावित होने की शिकायत की। साथ ही श्रमिक मित्रो के स्थायीकरण तथा मानदेय भुगतान सहित विभिन्न मांगो पर जल्द हल निकालने की बात कही। श्रमायुक्त ने जल्द समाधान का आश्वासन दिया।

बाजार समिति के व्यवसायी 10 सूत्री समस्याओं को लेकर पणन सचिव से मिला

कोलफील्ड मिरर 26 जून (धनबाद): बाजार समिति चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष जितेंद्र अग्रवाल के नेतृत्व में बाजार समिति के व्यवसाईयों की 10 सूत्री समस्याओं को लेकर बाजार समिति के पणन सचिव राकेश कुमार सिंह से मिला। जिसमें सभी समस्याओं पर सचिव का ध्यान आकृष्ट करते हुए वार्ता की गई। सचिव ने व्यापारियों को आश्वस्त किया की सभी समस्याओं पर गंभीरता से विचार कर अभिलंब निष्पादन किया जाएगा। आज के प्रतिनिधि मंडल में चेंबर अध्यक्ष जितेंद्र अग्रवाल, सचिव गौरव गर्ग, कोषाध्यक्ष दीपक कटेसरिया, वरीय उपाध्यक्ष सुरेंद्र जिंदल, जसविंदर सिंह, विवेक अग्रवाल, संतोष सिंह, मनजीत सिंह, सुधीर बंसल, विनोद सिंघल, इंदर अग्रवाल, सूरज यादव, अमन अग्रवाल आदि व्यापारी उपस्थित थे।

विधायक कल्पना, शिक्षक की भूमिका में

कोलफील्ड मिरर 26 जून (धनबाद): गिरिडीह/ पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी व गांडेय की नवनिर्वाचित विधायक कल्पना सोरेन एक शिक्षक की भूमिका में गिरिडीह में नजर आईं। वह सीएम उत्कृष्ठ विद्यालय पहुंची और छात्राओं से पढ़ाई के संबंध में बातचीत की। अंग्रेजी में छात्राओं से हुई वार्तालाप के बाद कल्पना कह उठी झारखंड की बेटियां किसी से कम नहीं।

सब इंस्पेक्टर सत्येन्द्र कुमार सिंह एंटी करप्शन ब्यूरो के हत्थे चढ़े

कोलफील्ड मिरर 26 जून (धनबाद): रांची के रातू थाना के सब इंस्पेक्टर सत्येन्द्र कुमार सिंह एंटी करप्शन ब्यूरो के हत्थे चढ़ गये। रातू थाने में पदस्थापित सतेन्द्र कुमार सिंह एक केस को 'सेट' करने के एवज में 35 हजार रुपये रिश्वत ले रहे थे, तभी एंटी करप्शन ब्यूरो ने उन्हें रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। दरअसल, सब इंस्पेक्टर 307 धारा के एक केस को हल्का करने के लिए यह रिश्वत ले रहे थे। एंटी करप्शन ब्यूरो ने यह कार्रवाई रातू थाना क्षेत्र की रहने वाली एक महिला की शिकायत पर की है। जांच में मामला सही पाया गया, फिर सत्येंद्र सिंह महिला से 35000 रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्त में आ गये।

मादक पदार्थों के दुरुपयोग के विरुद्ध जागरूकता को लेकर निकाली गई साइकिल रैली

कोलफील्ड मिरर 26 जून (धनबाद): मादक पदार्थों के दुरुपयोग के विरुद्ध जागरूकता को लेकर समाज कल्याण विभाग के द्वारा जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। जिसमे स्कूली बच्चों ने साइकिल से इस रैली में हिस्सा लिया। जागरूकता रैली को जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनिता कुजूर एवं डीपीएम जेएसएलपीएस शैलेश रंजन द्वारा हरी झंडी दिखा कर रवाना किया गया। यह जागरूकता रैली सिटी सेंटर से शुरू हो कर रणधीर वर्मा चौक तक गई। रैली के समापन पर सभी ने नशा के खिलाफ शपथ भी लिया।

कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहे जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती अनिता कुजूर ने मादक पदार्थों के दुरुपयोग से बचने के लिए समाज से अपील की। उन्होंने कहा कि नशा एक सामाजिक बुराई है, इसका सेवन किसी भी प्रकार से हितकारी नहीं है। नशा शरीर में रोगों और आपराधिक गतिविधियों की जड़ है। नशे का सेवन करने वाला व्यक्ति समाज में अपना मान-सम्मान खो देता है। लोगों के साथ परिवार और समाज के विकास में नशा सबसे बड़ी रुकावट है। नशा एक अभिशाप है, जो दिन प्रति दिन समाज में धुएं की तरह फैलती जा रही है। नशे के कारण लोग हिंसा, शोषण, दुर्घटना आदि के शिकार हो रहे है। नशा एक सामाजिक समस्या है जो दीमक की तरह परिवार, समाज और देश को विनाश की ओर ले जा रहा है। नशा के कारण लोगों की शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आर्थिक स्थिति खराब हो जाती है।

मौके पर जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, डीपीएम जेएसएलपीएस, पुलिस पदाधिकारी समेत अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद थे

अमरेश सिंह ने जर्जर सड़क को दुरुस्त करने के लिए नगर निगम आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

कोलफील्ड मिरर 26 जून (धनबाद): मंगलवार को लुबी सर्कुलर रोड स्थित धनबाद नगर निगम आयुक्त रवि राज शर्मा के कार्यालय में वरिष्ठ भाजपा नेता अमरेश सिंह के नेतृत्व में खरिकाबाद प्रामाणिक बस्ती के निवासियों ने क्षेत्र में मुख्य सड़क का निर्माण और पानी उपलब्धता के लिए मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। जिसमें नगर आयुक्त ने प्राथमिकता से जल्द से जल्द टेंडर प्रक्रिया में भेजने का आश्वासन दिया।

मौके पर अमरेश सिंह ने बताया की खारिकाबाद प्रमाणिक बस्ती के लोगों ने पिछले लोकसभा के चुनाव में धनबाद में आयोजित जनसभाओं एवं क्षेत्र भ्रमण के दौरान उनके आग्रह पर एवं खरिकाबाद प्रमाणिक बस्ती की जर्जर सड़क, पानी एवं अन्य समस्याओं को शीघ्र संज्ञान में लेकर संबंधित विभाग से वार्ता कर समाधान करने का वादा किया था जिससे प्रभावित होकर वहां के निवासियों ने भाजपा के पक्ष में बढ़-चढ़कर मतदान किया था। अब किए गए सारे वादाओं को पूरा करने के मद्देनजर आज नगर आयुक्त से फरीदाबाद प्रमाणिक बस्ती क्षेत्र की 4 किलोमीटर जर्जर सड़क का निर्माण हेतु ज्ञापन सोपा गया है। खरिकाबाद प्रमाणिक बस्ती से भूली जाने वाली इस रोड में आउटसोर्सिंग की भारी भरकम गाड़ियां चलती है जिससे रोड काफी जर्जर और खतरनाक हो चुका है। इस सड़क में छोटी वाहनों के साथ-साथ बच्चे, महिलाएं एवं बुजुर्गों का चलना मुश्किल हो गया है जो काफी गंभीर मुद्दा है। वार्ता के पश्चात नगर निगम आयुक्त का आश्वासन मिला है कि जल्द ही इस दिशा में कारगर कदम उठाकर सड़क निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा।

मंत्री- विधायक को घेरेगें, सौपेगें मांग पत्र, मांगेंगे जवाब

कोलफील्ड मिरर 26 जून (धनबाद): सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा के बैनर तले वादा पुरा- करो सरकार, राज्यव्यापी कार्यक्रम के तहत वेतनमान सहित अन्य मांगो को लेकर झारखण्ड सरकार के मंत्री- विधायक को घेरेगें, सौपेगें मांग पत्र, मांगेंगे जवाब.

सरकार के खिलाफ उलगुलान का कल बुधवार से होगा शंखनाद, किया जायेगा, अपने पुराने आंदोलन की तरह धार देने के लिए गली- मुहल्ले, शंकुल- प्रखंड में सहायक अध्यापक (पारा शिक्षक) की संकल्प सभा होगी। 30 जून हुल दिवस पर राज्य के सभी जिला मुख्यालयों मशाल जुलूस निकाल कर सरकार का प्रतिकार किया जायेगा वहीं मांगें पुरी नही होने से 20 जुलाई से पूर्व मुख्यमंत्री आवास का अनिश्चितकालीन घेराव किया जायेगा।

पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सरकार बनने के तीन माह में वेतनमान देने वायदा सवा चार वर्षों में भी पूरा नहीं किया. पिछले चार माह से राज्य में चंपई सोरेन की सरकार है, जो स्वयं को हेमंत पार्ट 2 कहते हैं लेकिन इसमें भी पारा शिक्षकों का कुछ काम नहीं हुआ, वर्तमान समय में राज्य के 62 हजार पारा शिक्षक सरकार बनने के साढ़े चार वर्ष बीतने के बावजूद वेतनमान नहीं मिलने, ईपीएफ तथा अनुकंपा नहीं मिलने, आंदोलन के क्रम में रघुवर सरकार द्वारा किए गए केस वापसी नहीं होने सहित विभिन्न मांगों की पूर्ति नहीं होने हुआ।

मांग;-

(1) वेतनमान एवं राज्यकर्मी का दर्जा- सहायक अध्यापकों को अल्पसंख्यक विद्यालयों में नियुक्त शिक्षकों के तर्ज पर वेतनमान (9300- 34800) एवं बिहार राज्य के तर्ज पर राज्यकर्मी का दर्जा प्रदान किया जाय।

2- सहायक अध्यापको को कर्मचारी भविष्य निधि का लाभ यथाशीघ्र दिया जाय।

3- झारखण्ड अधिविध परिषद राँची के हठधर्मिता के कारण आकलन परीक्षा के प्रश्नों के त्रुटिपूर्ण उत्तर के संशोधित परिणाम यथाशीघ्र जारी करने के साथ-साथ आकलन उत्तीर्णता के प्रमाण पत्र एवं द्वितीय आकलन परीक्षा आयोजित किया जाय। द्वितीय आकलन परीक्षा में ईडब्ल्यूएस एवं दिव्यांग अभ्यर्थियों को नियमानुसार अंकों का अधिभार दिया जाए

(4) सहायक अध्यापक सेवा शर्त नियमावली 2021 में अंकित प्रावधानों के अनुरूप सहायक अध्यापकों को अनुकंपा का लाभ सहायक अध्यापकों के आश्रितों को योग्यता अनुरूप लचीला किया जाय।

(5) सहायक अध्यापकों के साथ सामाजिक न्याय करते हुए आंगनबाड़ी सेविका/ सहायिका की तरह सेवानिवृत्ति 65 वर्ष किया जाय.

6- बिहार सरकार के नियोजित शिक्षकों की तरह सीटेट एवं आकलन उत्तीर्ण सहायक अध्यापकों को टेट के समतुल्य लाभ दिया जाय।

ईधर झारखण्ड राज्य प्रशिक्षित सहायक अध्यापक संघ के जिला अध्यक्ष अशोक चक्रवर्ती ने कहा कि कल बुधवार को राज्य व्यापी घोषित कार्यक्रम के तहत सत्तापक्ष के विधायक टुण्डी विधायक मथुरा प्रसाद महतो के सिजुआ आवास एवं झरिया विधायक पुर्णिमा निरज सिंह से मिलकर ज्ञापन देगें।

पाठशाला ने प्रारंभ की मिशन बेटियों की उड़ान, बांटे जाएंगे निःशुल्क साइकिल

कोलफील्ड मिरर 26 जून (धनबाद): पाठशाला जो विगत कई वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में अपना योगदान दे रही है, ने बच्चियों के स्वावलंबन और उन्हें पढ़ाई में बाधा ना हो इसके लिए मिशन बेटियों की उड़ान प्रारंभ किया है। इस मिशन के अंतर्गत कक्षा 5 से लेकर 12वीं तक की बच्चियों को निःशुल्क साइकिल वितरण करने की योजना है। इस मिशन का प्रारंभ पाठशाला एजुकेशनल ट्रस्ट के संस्थापक देव कुमार वर्मा की माताजी मधु देवी द्वारा आज भागाबस्ती शाखा में कक्षा 5 की नित्या और नैना को साइकिल और नए कपड़े देकर प्रारंभ किया गया। बताते चले की पाठशाला पिछले 10 वर्षों में अब तक लगभग 1500 से ज्यादा बच्चों को कक्षा एक से लेकर इंजीनियरिंग तक की पढ़ाई का खर्चा वहन कर चुकी है। साथ ही पाठशाला के कई बच्चों ने दसवीं के सीबीएसई और 12वीं के सीबीएसई परीक्षा में परचम लहराया है।

पाठशाला की जिन बच्चों के 10वीं और 12वीं में अच्छे अंक आए हैं उसमें ओम आदित्य, अनिकेत, आशीष, श्रुति, रिया आदि सम्मिलित है। पाठशाला के प्रधानाचार्य नीलकंठ महतो ने बताया कि आने वाले 10 दिनों के अंदर 50 बच्चियों को साइकिल वितरण करने की योजना की गई है, जिसमें कुल लागत करीब 3 लाख रुपए की होगी इसके लिए आम जनों से भी सहयोग मांगा गया है।

इस योजना को सफलता पूर्वक संचालन के लिए विद्यालय के सभी शिक्षक शिवकुमार शर्मा, सुनील सरकार, प्रिया और विजय का योगदान है। मिशन बेटियों की उड़ान की प्रेरणा पाठशाला एजुकेशनल ट्रस्ट की अध्यक्षा और बीआईटी सिंदरी में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर प्रियंका कुमारी की सोच का एक प्रतिबिंब है।

जमसं के बैनर तले जीतपुर कोलियरी चालू कराने को ठेका मजदूरों ने शुरू किया आंदोलन

कोलफील्ड मिरर 26 जून (धनबाद): सेल कंपनी के बंद जीतपुर कोलियरी में उत्पादन कार्य चालु करने सहित अन्य मांगों को लेकर मंगलवार को जनता मजदूर संघ (बच्चा गुट) के बैनर तले ठेका मजदूरों ने कोलियरी के मुख्य गेट पर दो दिवसीय विरोध प्रदर्शन शुरू किया। मजदूरों का नेतृत्व संघ के शाखा सचिव टोकनाथ तिवारी एवं अध्यक्ष रवींद्र गोप ने किया। प्रदर्शन के दौरान मजदूरों ने जमकर प्रबंधन विरोधी नारे लगाते हुए कोलियरी कि बंदी के लिए अधिकारियों को जिम्मेवार ठहराया। श्री तिवारी ने कहा कि खदान में चाल से पानी का रिसाव हो रहा है। प्रबंधन और डीजीएमएस के अधिकारी साजिश रचकर खदान को हमेशा के लिए बंद करना चाह रही है। प्रबंधन कि गलत मंशा साफ दिख रही है तभी तो मजदूरों का पीएफ कि कटौती को बंद किया गया है ठेका मजदूरों को आवास खाली करने को लेकर नोटिश दिया जा रहा है।

100 वर्ष पुरानी सेल के एकमात्र जीतपुर कोलियरी को अधिकारियों के साजिश के चलते डीजीएमएस और सिंफर द्वारा पानी रिसाव कि जांच के आड़ में जानबूझकर खदान को चालू कराने कि दिशा में टालमटोल कर रही है। उन्होंने कहा कि खदान में कोयला उत्पादन बंद होने से सैकड़ों ठेका मजदूरों के परिवार के समक्ष भुखमरी कि समस्या आ खड़ी हो गई है। कई ठेका मजदूर के बच्चे आर्थिक अभाव में स्कूल में पठन पाठन बंद हो गया है। स्थानीय दुकानदारो कि व्यवसाई भी चरमरा गयी है। प्रबंधन को सैकड़ों परिवार के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने कि छूट किसी कीमत पर नहीं दिया जाएगा। शाखा अध्यक्ष रवींद्र गोप ने चेतावनी दिया कि प्रबंधन ने अगर जीतपुर कोलियरी को चालू करने कि दिशा में पहल नहीं किया तो दो दिन बाद मजदूर भूख हड़ताल पर जाने को बाध्य होगे। मोके पर दुर्गा चरण महतो, विनय पांडये, प्यारे लाल नौनिया, दिनेश कुमार, अनिल यादव, प्रकाश बर्मा, शंकर महतो, विकाश कुमार महतो, दीपक कुमार सिंह, शिव कुमार तिवारी आदि मौजूद थे।

लोयाबाद में उर्से जहाँगीरी शुरू

यह उर्स अल्लामा सैयद शाह अब्दुल हयी चटगामी र.अ. की याद में पूरी दुनिया में मनाया जाता है- आसवी

कोलफील्ड मिरर 26 जून (धनबाद): हर साल की तरह इस साल भी लोयाबाद में उर्से जहाँगीरी बहुत ही धूम धाम से मनाया जा रहा है।

इसकी जानकारी प्रबन्धक सूफी मक़सूदुल हसन आसवी और सूफ़ी ग़ुलाम ग़ौस आसवी ने दी। उन्होंने बताया कि इसमें आस पास के श्रद्धालुओं के साथ साथ दूर दराज़ से भी चलकर लोग शामिल होने के लिए आते हैं। यह उर्स बांग्लादेश में आराम फरमा फखरुल आरिफ़ीन अल्लामा व मौलाना हज़रत सैयद शाह अब्दुल हयी चटगामी र.अ. की याद में पूरी दुनिया में मनाया जाता है। धनबाद के लोयाबाद में यह पिछले क़रीब पैंतीस साल से लगातार हो रहा है।

मंगलवार की रात में बाद नमाज़े एशा मीलाद शरीफ़, हल्क़ा-ए-ज़िक्र, शब बेदारी हुई। मौलाना अब्दुल ख़ालिक़ साहब ने औलिया ए कराम की शान में बयान दिए। नातख्वां में फ़ैज़ाने मुर्शिद और कौसर रज़ा ने मनक़बत इश्के नबी में डूबे हुए कलाम पेश किए। औरंगाबाद से आए हुए नातख्वां ज़ियाउर्रसूल ने एक से बढ़कर एक कलाम पेश किए। साथ ही, आज बुधवार को बाद नमाज़े फ़ज्र क़ुरानख्वानी, 10 बजे दिन क़ुल शरीफ़, जोड़ापोशी, महफ़िले सिमा और लंगरे आम, दुआ ए ख़ैर का कार्यक्रम सम्पन्न होगा।

यह उर्स पाक हज़रत अल्लामा क़ारी सूफ़ी ज़ियाउल लतीफ़ आसवी साहब क़िबला, मद्द ज़िल्लहुल आली, सज्जादानशीन व मतवल्ली,
और पीरज़ादा हज़रत डॉ. मौलाना सूफ़ी ग़ुलाम यज़दानी आसवी नायब सज्जादानशीन व मतवल्ली, दरगाहे मोअल्ला आसविया राशिदिया, चांद औलिया, मधपुर शरीफ, उतरौला, ज़िला बलरामपुर, यूपी से सरपरस्ती में हो रही है। इस लिए शिरकत की अपील करते हुए जुमला मुहिब्बाने औलिया से पुर ख़ुलूस अपील की गई है कि सभी इस जश्न के सभी प्रोग्राम में शामिल होकर फैज़ से मालामाल हों।

संयुक्त राष्ट्र संघ के अस्तित्व को ललकारता रूस-यूक्रेन तथा इजरायल-हमास युद्ध

संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका नगण्य

कोलफील्ड मिरर 26 जून 2024: रूस यूक्रेन युद्ध के सैकड़ो दिन गुजर जाने के बाद अरबों रुपए के माल की हानि और लाखों लोग बेघर तथा जान गवाने के बाद संयुक्त राष्ट्र संघ में नेपथ्य में अपने अस्तित्व की तलाश में घूमता नजर आ रहा है। अमेरिका तथा यूरोपीय देश रूस के खिलाफ खुलकर धन तथा सामरिक अस्त्र शस्त्र लगातार यूक्रेन को प्रदान कर रहे हैं दूसरी तरफ इन्हीं बाहुबली देशों के इशारे पर यूएनओ रूस पर नाना प्रकार के प्रतिबंध लगा चुका है। g20 और G7 की कई बैठकें हो चुकी है और लगातार यूरोपीय देश रूस पर प्रतिबंध पर प्रतिबंध लगाते जा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ ना तो रूस यूक्रेन युद्ध और नाही इजरायल पलेस्टाइन युद्ध में कुछ कारगर भूमिका निभा सका है। इसराइल लगातार हमास और फिलिस्तीन पर आक्रमण कर हजारों लोगों को मौत के घाट उतार चुका है पर संयुक्त राष्ट्र संघ का मौन उसके अस्तित्व पर संदेह पैदा करता है। संयुक्त राष्ट्र संघ अब अस्तित्वहीन हो चुका है। अभी भी अमेरिका सहित नेटो देश यू.एन,ओ,को अपने स्वार्थ के हिसाब से संचालित करते आ रहे हैं।रूस युक्रेन युद्ध में युद्ध रोकने यू.एन,ओ, रूस के सामने गिड़गिड़ा कर अपील करता रहा, पर रूस के कान में जूं तक नहीं रेंगी उल्टा हमले और तेज कर दिए।यू.एन,ओ, की हामियत प्रायः न्यून होती जा रही है।

वैश्विक शांति सद्भावना और सौहार्द्र के लिए वैश्विक देशों ने एक मत हो कर परमाणु अप्रसार संधि पर 1970 में लगभग विश्व के सारे देशों ने अपनी मुहर लगाई थी। विश्व के 191 देशों ने अपनी सहमति जताकर परमाणु अप्रसार संधि पर हस्ताक्षर किए थे। यह इस परमाणु संधि का मूल् आदर्श यही था कि मानव जाति के लिए हर संभव परमाणु हथियारों और इस खतरनाक तकनीक के प्रचार प्रसार को रोकना था। जिन देशों के पास परमाणु हथियार नहीं थे वह भी इस संधि में शामिल हो गए थे पर परमाणु हथियार संपन्न देश भी इस बात से सहमत हैं कि परमाणु हथियार बनाने एवं इसके उपयोग पर प्रभावी नियंत्रण लगे। द्वितीय युद्ध में हिरोशिमा और नागासाकी पर अणु, परमाणु बमों का भयानक परिणाम जापान में पूरी दुनिया के लोग देख चुके थे, अनुभव कर चुके थे। जापान इसके दुष्परिणाम अभी तक झेल रहा है। परमाणु हथियारों का उपयोग मानव जाति के खिलाफ ना किया जाए इसके लिए परमाणु अप्रसार संधि की कवायत यूनाइटेड नेशंस ऑर्गेनाइजेशन की गई थी। अब जब संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव रूस के राष्ट्रपति पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेन्सकी से भेंट कर रूस यूक्रेन युद्ध को रोकने की मध्यस्थता करने रूस के दौरे पर जाएंगे, पर संयुक्त राष्ट्र संघ शांति स्थापना के देश में कितना सफल होगा यह तो वक्त ही बताएगा। 1945 में संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना के बाद अनेक देश परमाणु हथियार संपन्न बन चुके हैं ।परमाणु तथा हाइड्रोजन बमों की संख्या में भी काफी वृद्धि हुई है। उल्लेखनीय है कि इन संधियों को युद्ध से बचने और शांति स्थापित करने के प्रयास के लिए वैश्विक स्तर पर निर्मित किया गया था। अब रूस तथा यूक्रेन युद्ध में उसकी कहीं भी कोई भूमिका दिखाई नहीं देती, सभी संस्थाएं निष्क्रिय प्रतीत होती हैं। कमजोर और छोटे देश यूक्रेन पर पिछले 1 वर्ष से ज्यादा समय से रूस लगातार आक्रमण कर उसके शहरों को तबाह कर रहा है, संयुक्त राष्ट्र संघ सहित विश्व के सारे देश हाथ में हाथ धरे बैठे इस भीषण युद्ध को सिर्फ देख रहे हैं। इसे रोकने की किसी ने पहल तक नहीं की है। ऐसे में इन संधियों की प्रासंगिकता भी लगभग शून्य हो चुकी है। यूक्रेन को अपनी उस बड़ी गलती का एहसास हो रहा है जो 1994 में उसने बुडापेस्ट समझौते के तहत परमाणु हथियार नहीं बनाने के लिए वचनबद्ध होकर हस्ताक्षर करके की थी। अमेरिका यूरोपीय देश तथा रूस ने यूक्रेन को परमाणु हथियारों से दूर रखने की नीति पर काम किया था, जिसके फलस्वरूप यूक्रेन ने अपने पास मौजूद तमाम परमाणु हथियारों को इस बुढापेस्ट समझौते के तहत 1996 में नष्ट कर दिए थे। यूक्रेन रूस तथा अमेरिका और यूरोपीय देशों के दबाव में 1996 में जेनेवा सम्मेलन में व्यापक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि के तहत हस्ताक्षर किए थे। भारत ने इस परमाणु संधि पर हस्ताक्षर करने से साफ इंकार कर दिया था और भारत सरकार की देखा देखी पाकिस्तान ने भी हस्ताक्षर नहीं किए थे। उस समय की यह नीति अत्यंत भेदभाव पूर्ण थी जिसके परिणाम अब साफ नजर आ रहे हैं। यूक्रेन के पास यदि आज परमाणु हथियार होते तो रूस इस तरह उस पर ताबड़तोड़ हमले न करता और रूस ने इस युद्ध में परमाणु हथियारों की उपयोग की धमकी तक दे डाली है यह अलग मुद्दा है कि रूस परमाणु हथियारों का कब और कैसे इस्तेमाल करेगा।

भारत ने पहला परमाणु परीक्षण प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कार्यकाल में 1974 में राजस्थान के पोखरण में कराया था और तब से दुनिया ने समझ लिया है कि भारत भी एक परमाणु संपन्न देश बन चुका है एवं इस दिशा में 1998 में अटल बिहारी वाजपेई के नेतृत्व में फिर से परमाणु परीक्षण कर इस पर मुहर लगा दी गई थी । भारत ने परमाणु हथियार बनाने के साथ-साथ प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने एक नीति विश्व के सामने स्पष्ट कर दी थी कि परमाणु हथियार केवल निरोध के लिए है और भारत केवल प्रतिशोध की नीति को अपनायगा इसका साफ साफ यह मतलब है कि भारत पहले परमाणु हमला नहीं करेगा और यदि कोई देश उस पर हमला करता है तो वह परमाणु हथियारों का उपयोग करने से पीछे नहीं हटेगा।

इधर परमाणु संपन्न देशों की महत्वाकांक्षाओं ने में नई करवट ली है। उत्तर कोरिया के सनकी सम्राट किम जोंग ने अपने परमाणु हथियारों से अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान को समूचा नष्ट करने की धमकी तक दे डाली है और अमेरिका उत्तर कोरिया को पूरा नष्ट करने की ठान चुका है। इसी तरह चीन ने समुद्री निगरानी करने के बहाने अपनी परमाणु पनडुब्बियों को समुद्र में उतारने का फैसला भी लिया है।

परमाणु हथियारों के उपयोग का खतरा अभी भी वैश्विक जगत में छाया हुआ है क्योंकि परमाणु अप्रसार संधि में अमेरिका, रूस, चीन, ब्रिटेन, फ्रांस, भारत, पाकिस्तान, इसराइल और उत्तर कोरिया ने हस्ताक्षर करने से इंकार कर दिया है। फल स्वरूप परमाणु हथियारों के उपयोग की आशंका बनी हुई। संयुक्त राष्ट्र संघ एक कमजोर मध्यस्थ की तरह सबकी तरफ ताक रहा है। वर्तमान समय में अमेरिका के पास 6800, फ्रांस के पास 300 चीन के पास 260 ब्रिटेन के पास 215 पाकिस्तान के पास 170 और भारत के पास 172 इजराइल के पास 80 और उत्तर कोरिया के पास 10 परमाणु हथियार है। एक भी देश यदि परमाणु हथियार इस्तेमाल करता है तो पूरा विश्व और धरती तहस-नहस होने की दिशा में अग्रसर हो सकती है। विश्व बहुत गहरे संकट में है रूस यूक्रेन युद्ध यदि समाप्त नहीं हुआ तो विश्व युद्ध की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता है|

संजीव ठाकुर
चिंतक, संकलनकर्ता
वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक लेखक
रायपुर छत्तीसगढ़

आ गया समय: आपसी सौहार्दता का ख्याल रखें

कोलफील्ड मिरर 26 जून 2024: हमारा देश जनसंख्या और भाषा की दृष्टि से विशाल राष्ट्र है। हमारे यहां जितना भाषा बोली जाती है, उतनी विश्व के किसी भी अन्य देश में नहीं बोली जाती। इस विभिन्नता के रहते हुए भी यहां राष्ट्रीय सौहार्दता है। इस देश को राष्ट्रीय एकता में बांधने के अनेक कारण है। जिसमें अनेकता में एकता दिखाई पड़ी है। भले ही इस देश में हिंदु मुस्लिम्, ईसाई, जैन, बौद्ध, पारसी सिख धर्म के लोग निवास करते हैं, पर यहां की धार्मिक भावना, आदर्श, संगीत और सांस्कृतिक विचारधारा में एकरूपता है. और यही एकरूपता राष्ट्रीय एकता का आधार है।

प्राचीनकाल से हमारे देश में विभिन्नता है, और इस विभिन्नता में भी समन्वय की भावना है, एकता ही राष्ट्र की शक्ति होती है। बिना एकता के राष्ट्र, राष्ट्र नहीं रह जाता है। शक्ति कम होने पर राष्ट्र बिखर जाता है और उसकी राष्ट्रीय चेतना विनष्ट हो जाती है। एकता ही राष्ट्र को बनाती है पर राष्ट्र को राष्ट्र नहीं बनाता। स्वतंत्र राष्ट्र ही शक्ति संपन्न होता है। उसकी अपनी भाषा होती है वह स्वतंत्र सभ्य और सुसंस्कृत भी होता है।

आज विश्व के समक्ष भारत एकता संपन्न गणराज्य के रूप में स्थापित है। विकासशील से विकसित देश की श्रेणी में आने को तत्पर वह देश प्रगति के लिये नित नए सोपान चढ़ रहा है। लगभग एक सौ पैंतीस करोड़ की जनसंख्या और विशालतम क्षेत्रफल के कारण देश में समस्यायें भी बहुत है! हमारे राष्ट्र की खासियत है अलग अलग भाषा अलग अलग संस्कृति और राज्य के होते हुए भी आपसी सहयोग प्रेम और सौहार्दता जिन्दगी में रची बसी हुई है। इस राष्ट्रीय एकता की रक्षा करके ही हमारा राष्ट्र ऊपर उठ सकता है। यदि राष्ट्रीय एकता की रक्षा नहीं की गई तो राष्ट्रीय एकता खतरे में पड़ सकती है। आज देश में सांप्रदायिक मतभेद है, जातिगत व धार्मिक वैमनस्य है, भाव भेद भी विद्यमान है इन मतभेदों के बाद भी देश की कौमी एकता अविछिन्न है। काश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक देश में एकता है। भारत के देवी-देवता एक है, यहां की संस्कृति एक है, वे ही राष्ट्रीय एकता के द्योतक है ये राष्ट्र को बिखरने नहीं देते। हमारे चारधाम चार बड़े तीर्थ हैं, वे सारे भारत वासियों के तीर्थ एवं श्रद्धा के केंद्र है, जहां न धर्ममत भिन्नता है न जातिगत विद्वेष। भारत में 179 भाषायें बोली जाती हैं एवं स्थानीय भाषाओं की संख्या 544 है। वहीं एक ओर बहुत शुष्क जलवायु वाले स्थान है, तो दूसरी ओर अत्यधिक वर्षा वाले प्रदेश भी हैं, एक ओर यदि बहुत ठंड वाले स्थान है तो दूसरी ओर अत्यधिक गर्म स्थान भी है। यही राष्ट्र है जहां चंद्रगुप्त मौर्य, अशोक, समुद्रगुप्त, हर्षवर्धन अलाउददीन खिलजी, अकबर, महाराणा प्रताप, शिवाजी और औरंगजेब सदृश्य शासक हुए, जिन्होंने भारत को एकता के सूत्र में बांधने का प्रयास किया। भारत सदा से एक राष्ट्र रहा। तात्पर्य यह है कि भारत में विभिन्नता में भी एकता बनी रही। कारण यही है। कि भारत में सांस्कृतिक एकता रही है।

भारत के भौगोलिक विविधता के होते हुए भी भारत भौगोलिक दृष्टि से एक देश है। वह तो विश्व के मानचित्र पर दृष्टि डालते ही स्पष्ट हो जावेगा। यह विश्व के मध्य में "विश्व हृदय" के रुप में विद्यमान हैं प्रकृति ने भारत को अन्य देशो से पृथक करने के लिये भौगोलिक साधनों का सहयोग लिया है। उत्तर में गगनचुम्बी हिमालय की श्रृंखला है जो उसे एशिया के अन्य देशों से पृथक करती है। खैबर, दोन आदि दर्रे यदि न होते तो भारत का इतिहास कुछ और ही होता। इसी प्रकार पूर्व, पश्चिम व दक्षिण में यह समुद्र से घिरा हैं। आशय यह है कि हिमालय पर्वत व समुद्र उसकी प्राकृतिक सीमाएं हैं। और भारत भौगोलिक दृष्टि से एक देश हैं। प्रकृति के इस अनुपम देन को भारतीयों ने सहर्ष स्वीकार किया है, तथा भारत को एक भौगोलिक इकाई के रूप में माना। अशोक के शिलालेखों से भी यह स्पष्ट होता है कि भारत की भौगोलिक एकता का ज्ञान उस समय भी था। विष्णु पुराण में वर्णित है---

उत्तरे यत्समुद्रस्य हिमाद्रेश्चैव दक्षिणम्,
वर्ष तद भारते नामः भारतीयसंस्तितिः ।।

अर्थात समुद्र के उत्तर में • हिमालय के दक्षिण में जो देश है। वह भारत है, और वहां के निवासी भारत की संतान कहलाते है। भारतीय दार्शनिकों, राजनीतिज्ञों, विद्वानों, कवियों आदि ने भारत को एक इकाई के रूप में मान्यता दी। भारत की मां सदृश्य उपासना की। आसेतु हिमाचल वह देश मेरा है यह भावना ही बलवती रही। सदैव भारतवासियों ने अपने को भारत मां की संतान कहा। संपूर्ण देश की नदियों से प्रेम किया गया, और यही इच्छा की कि समस्त नदियों के जल से ही स्नान करें। समस्त देश के अंचल किसी न किसी आधार पर पूज्य हैं, तीर्थ स्थल हैं यही भावना भारत को एक भौगोलिक इकाई मानने के प्रमाण चौथी शताब्दी ईस्वीपूर्व में भी भारतीय अपने देश की एकता में विश्वास करते थे। इस देश का नाम इसका प्रमाण है प्राचीनकाल में फारस के निवासियों ने सिंधु नदीं के नाम पर "सिंधुदेश" कहकर पुकारा। भारत का प्राचीन नाम "जम्बूद्वीप" है किंतु इसे भारत वर्ष के नाम से अधिक जाना जाता रहा। प्रसिद्ध सम्राट "भरत" के नाम पर यह नाम इस देश का पड़ा।

यहां प्रचलित सभी धर्मों में मौलिक एकता है वह परस्पर एक दूसरे को प्रभावित करने में समर्थ हुये कुछ धर्मान्ध लोगों ने इसमें व्यवधान उपस्थित किया, किंतु भारत की मूल भावना को समाप्त करने में सर्वथा असफल रहे, और रहेंगे। भारतीय धर्मों ने भी भारत की एकता का पाठ पढ़ाया। शंकराचार्य ने भारत के पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण में मठों का निर्माण कराया। भारत के प्रत्येक भाग में किसी न. किसी रूप में धार्मिक तीर्थ है। यदि कोई व्यक्ति भारत के तीर्थों की यात्रा करें तो भारत का कोई भाग ऐसा नहीं जहां की यात्रा उसने न की हो। तात्पर्य है कि धार्मिक विविधता ने भी भारत को एक सूत्र में गूंथने का कार्य किया है। कुछ अनुयायी निराकार ईश्वर को तो कुछ लोग साकार ब्रह्मा को मानते हैं तो कुछ ब्रम्ह व प्रकृति में विश्वास करते है। रामायण, महाभारत, गीता, उपनिषद, वेद व पुराणों में प्रायः सभी की अटूट आस्था है। देश के महान पुरुषों में जैसे राम, कृष्ण, महात्मा बुद्ध, महावीर स्वामी को सभी आदर व श्रद्धा से देखते हैं। सभी के पर्व एवं त्योहारो में स्वतः हिंदू मुसलमान, व ईसाइयों के विवाह जन्म आदि में परस्पर सभी लोग शामिल होते हैं। और भाईचारे व प्रेम का प्रमाण देते हैं।

भारत में अनेक जातियां निवास करती हैं समाजशास्त्री तो उसकी संख्या सहस्त्रों में बताते हैं। अति प्राचीन काल से अनेक विदेशी यूनानी, प्राधि हुण, कुशाण, शक, मंगोल, मुगल, तुर्क आदि इस देश में आये। इनमें से अधिकांश कालांतर में भारतीय समाज के अंदर घुल मिल गए। आश्चर्चकारी तथ्य यह है कि जब इन विविधताओं की विवेचना करते हैं, तो मूल में हमें एकता के और सौहार्दता के दर्शन होते हैं. एकता भी ऐसी है जिसे कभी नष्ट नहीं किया जा सकता। तथ्य तो वह है-कि भारत की इस असीम शक्ति और जीवित रहने की क्षमता की पृष्ठभूमि में यह विविधता और सौहार्दता ही है। यह विविधता ही संजीवनी है, शक्तिदायनी है विविधता में एकता और समरसता का प्रवाह भारतीय संस्कृति की अपनी अनोखी 'व मौलिक देन हैं, इसीलिये अनेक आघात सहकर भी भारतीय संस्कृति जीवित हैं और निरंतर आगे बढ़ने की शक्ति उसमें आज भी विद्यमान है। और हम सब का यह परम कर्तव्य है कि इसे ऐसे ही बनाए रखने में अपना पूरा योगदान दें।

सुरेश सिंह बैस शाश्वत

आडम्बरों के घोर विरोधी थे संत कबीर

कोलफील्ड मिरर 26 जून 2024: मध्यकालीन युग के महान कवि संत कबीर दास जी ने अपना सारा जीवन देशाटन करने और साधु-संतों की संगति में व्यतीत कर दिया और अपने उन्हीं अनुभवों को उन्होंने मौखिक रूप से कविताओं अथवा दोहों के रूप में लोगों को सुनाया। अपनी बात लोगों को बड़ी आसानी से समझाने के लिए उन्होंने उपदेशात्मक शैली में लोक प्रचलित और सरल भाषा का प्रयोग किया। उनकी भाषा में ब्रज, अवधी, पंजाबी, राजस्थानी तथा अरबी फारसी के शब्दों का मेल था। अपनी कृति सबद, साखी, रमैनी में उन्होंने काफी सरल और लोक भाषा का प्रयोग किया है। गुरु के महत्व को सर्वोपरि बताते हुए समाज को उन्होंने ज्ञान का मार्ग दिखाया। मध्यकालीन युग के इन्हीं महान कवि संत कबीर दास जी की जयंती प्रतिवर्ष ज्येष्ठ माह की शुक्ल पक्ष पूर्णिमा के दिन मनाई जाती है, जो इस वर्ष 22 जून को मनाई जा रही है। माना जाता है कि इसी पूर्णिमा को विक्रमी संवत् 1455 सन् 1398 में उनका जन्म काशी के लहरतारा ताल में हुआ था। संत कबीर सदैव कड़वी और खरी बातें करने वाले ऐसे स्वच्छंद विचारक थे, जिन्होंने समाज में फैली कुरीतियों, कर्मकांड, अंधविश्वास, अंधश्रद्धा, आडम्बरों की कड़ी आलोचना करते हुए समाज में प्रेम, सद्भावना, एकता और भाईचारे की अलख जगाई। उन्होंने अपने दोहों और वाणी के माध्यम से धर्म के नाम पर आम जनता को दिग्भ्रमित करने वाले काजी, मौलवी, पंडितों, पुरोहितों को आईना दिखाने का भी साहसिक प्रयास किया।

संत कबीर नित्य प्रति सत्संग किया करते थे और लोग दूरदराज से भी उनके प्रवचन सुनने आया करते थे। उनकी वाणी में ऐसी अद्‌भुत ताकत थी कि लोग उनका सत्संग सुनने अपने आप ही दूर-दूर से उनकी ओर खिंचे चले आते थे। एक दिन सत्संग खत्म होने के बाद भी एक व्यक्ति वहां बैठा रहा। कबीरदास ने उस व्यक्ति से इसका कारण पूछा तो उसने उत्तर दिया, "महाराज! मुझे आपसे कुछ जानना है। दरअसल मैं एक गृहस्थ हूं और परिवार में सभी लोगों से अक्सर मेरा झगड़ा होता रहता है। मुझे समझ ही नहीं आता कि आखिर मेरे यहां गृह क्लेश क्यों होता है और वह किस प्रकार दूर हो सकता है?"

संत कबीर कुछ देर चुप रहे, फिर उन्होंने अपनी पत्नी को आवाज लगाते हुए कहा कि जरा लालटेन जलाकर लाओ! दोपहर का समय था और बाहर तेज धूप निकली हुई थी लेकिन उनकी पत्नी बिना कोई सवाल पूछे चुपचाप उनके कहेनुसार लालटेन जलाकर ले आई। वह आदमी भौंचक्का सा यह दृश्य देखते हुए विचार करने लगा कि आखिर संत ने इतनी दोपहर में भी लालटेन क्यों मंगाई है? कुछ मिनटों के बाद कबीरदास ने फिर पत्नी को आवाज लगाई और कहा कि जरा कुछ मीठा दे जाना। पत्नी आई और मीठे के बजाय थोड़ी नमकीन रखकर चली गई। वह व्यक्ति सोचने लगा कि ये संत और इनकी पत्नी शायद पागल हैं, तभी दोपहर के समय लालटेन जलाते हैं और मीठे के बदले यहां नमकीन मिलती है। यही सोचकर उसने चुपचाप वहां से खिसकने के इरादे से कहा कि महाराज! मैं अब चलता हूं। लेकिन कबीरदास ने उससे पूछा कि आपको अपनी समस्या का समाधान मिला या अभी भी कोई संशय शेष है?

उस व्यक्ति को कुछ समझ नहीं आया और वह आश्चर्य से उनकी ओर देखने लगा तो संत कबीर ने उसे समझाते हुए कहा कि जिस प्रकार मैंने दोपहर की रोशनी में भी लालटेन मंगवाई तो मेरी धर्मपत्नी मुझे ताना मारते हुए कह सकती थी कि मैं सठिया गया हूं, जो इस दोपहरी में भी लालटेन मंगवा रहा हूं लेकिन उसने सोचा कि अवश्य ही मुझे किसी काम के लिए लालटेन की जरूरत होगी। इसी प्रकार मेरे मीठा मंगवाने पर जब वह नमकीन देकर गई तो मैं भी उससे बहस कर सकता था लेकिन मैंने विचार किया कि संभवतः घर में कोई मीठी वस्तु नहीं होने पर ही वह नमकीन देकर गई है। आखिर गृहस्थ जीवन में ऐसे बातों को लेकर तकरार का क्या अर्थ? कबीरदास ने उसे गृहस्थ जीवन का मूल मंत्र समझाते हुए कहा कि अगर पति से कोई गलती हो जाए तो पत्नी संभाल ले और पत्नी से कोई गलती होने पर पति उसे नजरअंदाज कर दे। गृहस्थी में आपसी विश्वास से ही तालमेल बनता है और इससे विषम से विषम परिस्थिति भी स्वतः ही हल हो जाती है।

योगेश कुमार गोयल

आज के पुत्र भगवान के

कोलफील्ड मिरर 26 जून 2024: बड़े इतमीनान से पार्क में बैठे भाई ऊंचा ऊंचा फेंक रहे थे जैसी कि आदत है उनकी। मैं जाकर सामने वाली बेंच पर श्रोताओं में शामिल हुआ तो वे कुछ सम्हले और पेशेवर अभिनेता की तरह एक मुस्कान फेंकी। मैं बड़े गौर से सुन रहा था।

वे बोले जा रहे थे मुझे शिव की तरह अभिनाशी या अविनाशी मानना ही पड़ेगा। जिसका कभी नाश न हो, जो कभी खत्म न हो। देख रहे हो हमारे उत्साह को, उमंग को। इस उम्र में भी इतना सक्रिय, कभी भी अवकाश न लेने वाला अविनाशी शिव ही हो सकता है न?

मैं मन ही मन मुस्कुराने की चेष्टा की लेकिन हंसी रुकी नहीं। वे तरेर कर देखते हुए पूछा मैंने कोई जोक मारा है?

न जोक का बाप मारा है आपने। मेरे दो तीन सवालों का जवाब दीजिए। आपने क्या अमृत पिया है जो अविनाशी हो गए, इस बीच शिव भक्त हुए हैं यह ठीक है। अगर सारे शिव भक्त अविनाशी होने लगे तो जनसंख्या तो बस बढ़ेगी ही, घटेगी नहीं। कल तक तो आप श्री राम श्री राम कह रहे थे। खुद को भगवान का पुत्र कह रहे थे। वहां से हार गए तो अब जहां से जीते हैं, वहां के भगवान की तरह हो गए। आपका तो प्रमोशन हो गया पहले भगवान के पुत्र थे अब स्वयं शिव भगवान हो गए। अवकाश लेने की जरूरत क्या है आपको? आपका सांस लेना, आसन करना, फोटो खिंचवाना सारा कुछ तो ऑन ड्यूटी माना जाता है। भले ही आप पानी के नीचे कैमरे लगवाके तपस्या करो या नौ दस कैमरों के बीच बैठकर दो दिन तक ध्यान करो। सारा कुछ तो ऑन ड्यूटी ही है न? फिर अवकाश कैसा?

उनके चेहरे का रंग गंधुमी से लाल होता जा रहा था। श्रोताओं के चेहरे सफेद पड़ गए। एक अनचीन्हा सन्नाटा छा गया। वे भिनभिनाने लगे।

तुम जैसे लोग भगवान और उसकी शक्ति को कहां जानते हो। इसके लिए साधना करनी पड़ती है, कितना ध्यान लगाना पड़ता है, कितना श्रमसाध्य प्रक्रिया है। किसी की सफलता, श्रेष्ठता और लोकप्रियता से तुम जलते हो। तुम्हें बस मीन मेख निकालना आता है। मुंह फट सा बोलने में तुम्हें आनंद आता है। उसे ही महान उपलब्धि और अपनी गहन पत्रकारिता मानते हो।

मैं शिशुपाल से गालियां सुनते कृष्ण की तरह मुस्कुरा रहा था। जब वे थक गए बगल में रखे बोतल से पानी पिया और सामान्य होने लगे तो मैंने कहा आपकी साधना, श्रम और ध्यान सारा कुछ मुझे व्यर्थ लगता है। जो ध्यान लगाता है, योग करता है, प्राणायाम और भगवद भक्ति करता है, उसका पहला और प्रमुख गुण होता है वाक नियंत्रण, आत्म संयम और सहनशीलता यानी सब्र। आपकी बातों से तो ये कुछ भी लगते नहीं। फिर कैसे मान लें आपकी महानता और सक्रियता को।

दो चार लोगों ने अनायास तालियां बजाईं। वे कुछ संभले और खुद को शांत किया और कुछ कहने वाले थे कि मैं उठ खड़ा हुआ और कहा अब मुझे जाने दें मुझे अपने काम पर जाना है। मेरे साथ ही सारे श्रोता उठ खड़े हुए। वे हताश से बैठे रहे।

डॉ टी महादेव राव

अहिंसा का पाठ सिर्फ ईद पर ही क्यों?

कोलफील्ड मिरर 26 जून 2024: बकरा ईद पर बकरों को कटने से बचानें के और अहिंसा का पाठ पढ़ाने का सालाना आयोजन किया जाता हैं। अहिंसा की सीख देने वाले और जैन समाज की अगुवाई करने वाले नेता नुमा समाजसेवी दया, करुणा और जीव दया के नाम पर भाषणबाजी करते हैं। वे यह काम सिर्फ अपनी वाहवाही के लिए करते हैं। इसके बाद सालभर इस दिशा में उनकी कोईगतिविधि नजर नहीं आती। यदि वास्तव में ये नेता अहिंसा की स्थापना करना चाहते हैं, तो उन्हें सिर्फ बकरा ईद का रास्ता नहीं देखना चाहिए।

ये साबित भी हो गया है कि धनबल, बाहुबल या भाषणबाजी से हिंसा को नहीं रोका जा सकता। यदि हम वास्तव में जीवों की रक्षा करना चाहते हैं तो हमें मांसाहार का सेवन करने वालों की सोच को बदलना होगा। इन लोगों के मन में दया करुणा के भाव पैदा करना होंगे। अगर यह भाव हम पैदा करने में सफल रहे तो ही हम जीवों को अभय दान दिलाने में भी कामयाब हो सकते हैं और जीव हिंसा को रोकना भी आसान होगा। जैन समाज के अनेक संत अपनी विहार यात्रा के दौरान जेल में बंद कैदियों को सद्विचार सुना कर बुराइयों से बचने की प्रेरणा देकर उनका हृदय परिवर्तन कर उन्हें सही मार्ग पर लाने का प्रयास करते हैं। अपने विचारों से उनके हृदय को झकझोर देते हैं। चातुर्मास का उद्देश्य भी यही होता है कि संतों की वाणी को सुनकर हृदय में प्रेम दया और करुणा के भाव जागृत हो। लोग मान अभियान से बचे। लोगों के मन मस्तिष्क को बदल कर ही हम अंहिसा की भावना को हृदय में बैठाकर जीवों को अभयदान दिलाया जा सकता हैं। अगर हृदय परिवर्तन हो गया तो वे एक दिन तो क्या ताउम्र मांसाहार का उपभोग नहीं करेंगे।

कालांतर में देखा गया है कि मालव केसरी प्रसिद्ध वक्ता सोभाग्यमलजी महाराज विहार और चातुर्मास काल में अपने धर्म स्थान के अलावा चोराहों तथा मोहल्लों में जाकर प्रवचन देते थे। जिनकी वाणी से प्रभावित होकर अनेक गैर जैन लोग भरी सभा में ही खड़े होकर अभक्ष्य के सैवन के त्याग-पच्चखाण ग्रहण करते थे। जैन समाज के आचार्य नानेश (नानालाल जी महाराज साहब) ने एक समाज के लोगों को प्रेरणा देकर उनका हृदय परिवर्तन कर मांसाहार और नशे से मुक्ति दिलाते हुए "धर्मपाल जैन" नाम से एक संगठन खड़ा किया तथा उनके जीवन को बेहतर बनाने के लिए सामाजिक सेवा गतिविधियों में शामिल किया था। वाणी से निकला उपदेश जब हृदय पर चोट पहुंचाता है, तब मुंह के स्वाद के लिए पशुओं की हत्या कर मांसाहार का सेवन करने वालें उसे त्याग देते हैं।

धर्मपुर जैन मंदिर (दिल्ली) से जुड़े जैन समाज के लोगों ने बकरा ईद पर कुर्बानी से बचाने के लिए ₹11 लाख में 127 बकरो को खरीदकर बकराशाला मे भिजवा दिया। ये लोग मुस्लिमो की बकरे खरीदने बाजार गए थे। ये भी जीवदया का एक उदाहरण हैं। मात्र पैसों के बल पर बकरा ईद एवं पर्युषण के दिनों में हिंसा को रोकने की पहल करने वाला जैन समाज साल के बाकी दिनों में अहिंसा की बात करने से क्यों मुंह मोड़ लेता हैं। अहिंसा, करुणा जीवदया के नाम पर इस तरह का दिखावा आखिर क्यों और किसके लिए ? किसी के त्यौहार मनाने के विशेष दिन अहिंसा, करुणा, जीवदया के वेग में बहने से कुछ हासिल होने वाला नहीं है। जैन धर्मावलंबी जन्म से ही अहिंसा के आगोश में रहें हैं। हमसे अगर चिटी भी मर जाती हैं तो हम विचलित हो उठते हैं।

हमारी यही अहिंसक विचारधारा दूसरे धर्मावलंबियों को भी अहिंसक बनाने के लिए प्रेरित करती है। इसके लिए हम लाखों रुपए खर्च करने को तत्पर रहते हैं। जबकि पशुओं को मौत देकर स्वाद का कारोबार करने वाले मांसाहारी अपने खान-पान को धर्म से जोड़कर धर्म की आड़ में अपने स्वाद के लिए कभी ईद पर बकरे काटते हैं, कभी दुर्गा मां या भैरव बाबा के सामने बकरे और मुर्गे की बली चढाते हैं, कहीं अपने स्वाद के लिए मछली का भोग लगाया जाता हैं। पर उसे बंद कैसे किया जा सकता है। नाम पालन और मक़सद हत्या के लिएऑफिशियल स्लाटर हाउस तक खोल दिये गए। गली-गली में खुले नान वेज रेस्टॉरेंट, मौत का कारोबार नहीं तो और क्या हैं! मौत से प्यार और उसका कारोबार इसलिए क्योंकि मौत हमारी नही है। अपने स्वाद के वशीभूत मूक प्राणियों की हत्या को बलपूर्वक धर्म का सहारा दे रखा है। सरकार की कथनी और करनी के अंतर से कभी भी हमें मूक प्राणियों की हत्या से निजात नहीं दिला सकता।

सरकारी नीतियों के चलते स्वाद के लिए हत्या करने वाले सालाना 30 हजार करोड़ के इस व्यापार को रोकनें की ताकत किसी में नहीं है। देश की 70 प्रतिशत से अधिक जातियों में जहां मांसाहार का चलन है वहां इसको रोकने की बात करना बेमानी है। कुर्बानी देकर बकरा ईद मनाने वाला मुस्लिम समुदाय तो घोषित रूप से मांसाहारी हैं। किंतु हिंदू समुदाय की अधिकांश जातियां जो बारह मास मुस्लिमों की तरह मांसाहार का सेवन करने के लिए अनेक प्रकार के प्राणियों की गर्दन उड़ाती हैं, क्या वह हिंसा की श्रेणी से बाहर है? जो तीज-त्योहार, पार्टियों, शादियों पर तथा चाहें जब मुर्गा-मुर्गियों, मछलियों, बकरे-बकरियों, सुअरों, भैंस, पाड़ों गोमाता जैसे अनेक चोपायों के साथ ही असंख्य परिंदो की हत्या कर अपने मुंह का जायका बदलते रहती हैं। क्या अंहिसा से ओत-प्रोत जैन समाज इनकों रोकने में सक्षम है?

जिनको इस तरह की हत्या को रोकना चाहिए वो ही जिम्मेदारी का निर्वाह करने की बजाय मुर्गी पालन, मछली पालन, बकरी पालन, पोल्ट्री फार्म्स चलाने के लिए मदद करने को खड़े रहते है। असंख्य बुचडखानें सरकार की नियत और नीतियों के चलते दिन-रात हजारों चोपाहों को काटने में लगे हुए हैं। अहिंसा के प्रवाह में बहने वाले हमारे इस तरह के प्रयासों से आपसी सामंजस्य पर आघात होता हैं, जिसका खामियाजा हमारे पैदल विहारी जैन संत-सतियों को अनुप मंडल जैसे संगठनों तथा सड़कों पर दौड़ते वाहनों के कृत्यों का शिकार होना पड़ता है। कालांतर मैं हुई अनेकों ऐसी घटनाएं सभी को ज्ञात है जो मेरे विचारों को पुख्ता करती है। हम अहिंसावादी हैं, किंतु अहिंसा का पालन हमें अपने घर में करना चाहिए। अन्य समाजों पर अहिंसा थोपने का हमें कोई अधिकार नहीं। हम अहिंसा के वेग में जहां दुश्मनी के बीज बो रहे हैं, वही लाखों-करोड़ों रुपए इस पर बेजा खर्च कर रहे हैं तथा बेवकूफ बन रहे है।

इससे कुछ हासिल होने वाला नहीं है। उल्टे हमारी इन जातियों से दूरियां और दुश्मनी बन रही है। जिस देश में मुर्गी पालन, मछली पालन, बकरी पालन, पोल्ट्री फार्म्स चलाने के लिए भारी तादाद मे सरकारी मशीनरी नित नए प्रयोग और मदद करती रहती हैं उस देश मे नानवेज के उपभोग को रोकने की बात करना बेमानी है। हमारी अपनी ही जैन समाज की अहिंसा की बुनियाद इसी स्वाद के वशिभूत स्वयं अंदर ही अंदर खोखली होती जा रही है उसे ही हम मजबूती प्रदान कर दें तो वह हमारे जैन समाज की आने वाली पीढ़ी को अहिंसा वादी बनाए रखने के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि होगी।

ऋतुराज बुड़ावनवाला

विधवा सम्मेलन में सती प्रथा की तरह विधवा प्रथा के खिलाफ सख्त कानून बनाने की मांग

सरकार देश के सभी जिलों में विधवा प्रकोष्ठ बनाए

हेमलता म्हस्के

कोलफील्ड मिरर 26 जून (रांची): विश्व विधवा दिवस पर एकल नारी सशक्ति संगठन और स्वर (सिंगल वूमेन एसोसिएशन फॉर राईज) की ओर से झारखंड में रांची के नामकुम स्थित बगाईचा के सभागार में आयोजित विधवाओं के दो दिवसीय राज्य स्तरीय सम्मेलन में केंद्र सरकार से देश में विधवा प्रथा को भी सती प्रथा की तरह जड़ मूल से ख़त्म करने के लिए जल्द ही कारगर कानून बनाने की मांग की गई। इसी के साथ राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की सिफारिश के मुताबिक झारखंड सहित देश के सभी जिले में विधवा प्रकोष्ठ स्थापित करने की भी जरूरत जताई गई ताकि विधवा महिलाओं को प्रशासन से सबल होने में सहायता मिलने के साथ एकल खिड़की से सभी सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उन्हें सीधे मिल सके।

इस मौके पर झारखंड के विभिन्न जिलों से आई विधवा महिलाओं ने बारी बारी से अपनी आपबीती सुनाई। उनकी आपबीती के मुताबिक घर और समाज में आज भी उनके साथ निर्मम तरीके से भेदभाव जारी है। पति की मौत होते ही जबरन सिंदूर पोछे जाते हैं और कलाइयों की चूड़ियां तोडी जाती हैं। मंगलसूत्र उतारे जाते हैं। साथ ही मृत्यु भोज के लिए दबाव डाला जाता है। और जिंदगी भर रंगीन साड़ी पहनने पर पाबंदी लगाई जाती है। उन्हें अपशगुन बताकर सामाजिक और पारिवारिक समारोहों सहित दैनिक जीवन में उनका बहिष्कार आज भी जारी है। विधवा महिलाएं जब बारी बारी से अपनी दर्दनाक आपबीती का बयान कर रही थीं, तब मौके पर मौजूद सभी प्रतिभागियों की आंखें नम हो गई थीं, बावजूद सम्मेलन में सभी विधवा महिलाओं ने सामूहिक रूप से यह संकल्प किया कि वे अब रूढ़िवादी और अंधविश्वासी समाज की निराधार और अमानवीय हिदायतों और रस्म रिवाजों का हरगिज पालन नहीं करेंगी। वे अब भविष्य में होने वाली विधवा महिलाओं पर जबरन विधवा प्रथा को थोपने वाली सभी कार्रवाई का हर हाल में डट कर विरोध करेंगी और पुनर्विवाह में आने वाली सभी तरह की बाधाओं को दूर करेंगी। विधवा महिलाओं ने अपने संकल्पों को अपने मार्मिक गीतों और गगनभेदी नारों से भी व्यक्त किया।

सम्मेलन में मौजूद विभिन्न धर्म और जातियों की विधवा महिलाओं ने झारखंड सरकार द्वारा विधवाओं के हित में शुरू की गई कल्याणकारी योजनाओं का स्वागत किया।

साथ ही राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा विधवाओं के सामाजिक और आर्थिक उन्नयन के लिए तत्काल प्रभावी कदम उठाने के लिए केंद्र सरकार सहित राज्य सरकारों और केंद्र प्रशासित प्रदेशों से की गई अपील का भी स्वागत किया गया। सम्मेलन में सभी वक्ताओं ने यह उम्मीद जताई कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की यह पहल देश की महिलाओं को सशक्त बनाने में कारगर साबित होगी।

सम्मेलन के मुख्य अतिथि और महाराष्ट्र में विधवा प्रथा विरोधी आंदोलन के जनक माने जाने वाले वरिष्ठ समाज सेवक प्रमोद झिंजाड़े ने कहा कि विधवाओं के उद्धार के लिए एक कारगर कानून बनाना जरूरी है। उन्होंने महाराष्ट्र में शुरू हुए विधवा प्रथा विरोधी आंदोलन की शुरुआत का जिक्र करते हुए कहा कि विधवा प्रथा को जड़ मूल से खतम करने के लिए पुरुषों को भी आगे आना चाहिए और जीते जी यह वसीयत भी छोड़ कर जाना चाहिए कि उनके निधन के बाद उनकी पत्नियों पर जबरन विधवा प्रथा थोपा नही जाना चाहिए। विशिष्ट अतिथि और वरिष्ठ पत्रकार प्रसून लतांत ने कहा कि जब भारतीय संविधान में महिला- पुरुष समान हैं, तो फिर पति की मौत के बाद सिर्फ महिलाओं के साथ ही दोयम दर्जे का व्यवहार करना संविधान की आत्मा पर ही कुठाराघात है। जनमुक्ति संघर्ष वाहिनी के अरविंद अंजुम ने कहा कि हमलोगो को विधवा दिवस नहीं, बल्कि विधवापन मुक्ति दिवस मनाना चाहिए। उन्होंने महिलाओं से अपील की कि वे पालतू और कठपुतली बनाए जाने वाले हरेक हथकंडों का विरोध करें तभी वे समता और स्वतंत्रता के लक्ष्यों को हासिल कर सकेंगें।

महाराष्ट्र में विधवा पुनर्विवाह आंदोलन को बड़े पैमाने पर बढ़ावा देने के लिए विख्यात डी एस लहाने ने विधवा महिलाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि विवाह की इच्छुक विधवाओं को दोबारा शादी करने से डरने की जरूरत नहीं है क्योंकि यह उनका मौलिक अधिकार है जिसे मानवाधिकार आयोग सहित देश की सभी सरकारें प्रोत्साहित कर रही हैं। लहाने ने महाराष्ट्र में सैकड़ों विधवा महिलाओं का सामूहिक विवाह का आयोजन कराने के अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि आमतौर पर विधवा महिलाएं अक्सर अपने बच्चों के हित को देखते हुए दोबारा विवाह करने से कतराती हैं, जो सही नहीं हैं क्योंकि उनके दोबारा विवाह करने से उनके पहले पति से हुए बच्चों के हितों पर कोई आंच नहीं पड़ता। उन्हें उत्तराधिकार कानून के अनुसार पिता की संपत्ति से कोई भी बेदखल नहीं कर सकता।

इसके पहले प्रसिद्ध कवि कामेश्वर कुमार "कामेश", प्रसिद्ध लेखिका गीता चौबे "गूंज" और रंजना ने विधवाओं की विडंबनाओं पर मार्मिक कविताओं का पाठ किया। सम्मेलन के आखिरी सत्र में प्रमोद झिंजाड़े की अपील पर वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता विश्वनाथ आजाद, वरिष्ठ पत्रकार प्रसून लतांत एवं कुमार दिलीप ने एलान किया कि वे भी वसीयत जाहिर करेंगें कि उनकी मौत के बाद उनकी पत्नी पर विधवा प्रथा जबरन नहीं थोपा जाए। सामाजिक कार्यकर्ता बिन्नी ने भी एलान किया कि वे भी वसीयत जाहिर करेंगीं कि उनके पति की मौत के बाद उनके ऊपर विधवा प्रथा जबरन नहीं थोपा जाए। क्योंकि यह संविधान और मानवाधिकार विरोधी कार्रवाई है।

सम्मेलन में संदीप, कौशल्या देवी, लीलावती देवी, गुड़िया देवी, यास्मीन खातून, शांति देवी, प्रीति गुड़िया, डॉ विश्वनाथ आजाद, बिन्नी, कामेश्वर वर्मा, फादर टॉम, मेरी, सुहागिनी टुडू, सविता कौर, मनीषा, मोना हसन, परवाना खातून, समला बाला, सुबला देवी ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

किसान चौपाल में पौधा संरक्षण व बीज वितरण की दी गई जानकारी

कोलफील्ड मिरर 26 जून (ऋषिकान्त मिश्र) पीरपैंती-: प्रखण्ड के मोहनपुर पंचायत भवन में खरीफ किसान चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमे बीटीएम परमेश्वर कुमार सिंह ने आत्मा द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी के साथ-साथ मिट्टी जांच, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधी योजना, समूह में खेती, मोटे अनाज की खेती एवं उनकी गुणवत्ता की जानकारी दी। एटीएम प्रीतम कुमार राय ने पौधा संरक्षण, बीज टीकाकरण एवं समेकित कृषि प्रणाली अपनाने का गुर बताया। लेखापाल गौरव कुमार पासवान ने खेती में खाद, बीज, दवाई और फसल के क्रय विक्रय से संबंधित लेखाजोखा रखने को कहा ताकि वार्षिक आय व्यय के आधार पर स्वयं की खेती का आंकलन कर आने वाले दिनों में सुधार कर सकेंगे। इस दौरान कार्यक्रम में स्थानीय प्रतिनिधि व ग्रामीण किसान उपस्थित थे।

शक्ति महायज्ञ के तीसरे दिन भी बही ज्ञान की गंगा, उमड़े श्रद्धालु

कोलफील्ड मिरर 26 जून (ऋषिकान्त मिश्र) पीरपैंती-: प्रखण्ड के गोराडीह में चल रहे नौ कुंडीय शक्ति महायज्ञ के तीसरे दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। श्रद्धालु अहले सुबह से ही पहुंच यज्ञ मंडप की परिक्रमा कर पुण्य के भागी बने साथ ही यज्ञ क्षेत्र में स्थापित विभिन्न देवी देवताओं की पूजा अर्चना की। वहीं यज्ञाचार्य हरेन्द्र शास्त्री वाराणसी के नेतृत्व में यज्ञ मंडप में हवन-पूजन व आहुति कराई गई। संध्या समय यज्ञ क्षेत्र में लगे मेला को देखने व आरती में शामिल होने के लिए पुरुष महिला एवं बच्चों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।

रात्रि में चल रहे श्रीरामकथा में कथावाचक अजय परासर के द्वारा भगवान श्रीराम, लक्ष्मण व सीता की कथा रूपी ज्ञान की गंगा बहाई गई। इस दौरान भव्य झांकी की भी प्रस्तुति हुई। जिसे देखने व सुनने के लिए लोगों की भारी भीड़ तटस्थ दिखी। यज्ञ में मुख्य यजमान के रूप में प्रशान्त ओझा, धनंजय ओझा डब्लू ओझा सपत्नीक शामिल है। वहीं यज्ञ के सफल आयोजन में गोराडीह व आसपास इलाके के धर्मपरायण लोग अपनी-अपनी भूमिका बखूबी निभा रहे हैं।

पूर्ण सन्तों ने साधना का रास्ता सरल कर दिया, बच्चा, बूढा, जवान, स्त्री, पुरुष कोई भी आसानी से कर सकता है

मैं तो अपने को सेवक कहता हूं -सन्त बाबा उमाकान्त जी महाराज

कोलफील्ड मिरर 26 जून (भोपाल/ म.प्र.): इस कलयुग में सन्त वंशावली के वर्तमान जीवित सन्त जिनमें पहले के सभी सन्त समाये हुए हैं, जिनमें उन सभी के दर्शन आज भी किये जा सकते हैं, कर्म कटवाने वाले, सारी दुनिया में धोखा खा सकते हो लेकिन जिनके चरणों में कभी भी धोखा नहीं मिलेगा, सृष्टि के संचालनकर्ता, सबके मालिक, पूरे समरथ सन्त सतगुरु दुःखहर्ता, दयालु दाता, उज्जैन वाले बाबा उमाकान्त जी महाराज ने अधिकृत यूट्यूब चैनल जयगुरुदेवयूकेएम पर लाइव प्रसारित संदेश में बताया कि सन्तों ने इस युग में साधना करना अब एकदम सरल कर दिया। अब न घर छोड़ना है, न जमीन-जायदाद छोड़ना, न सुबह उठकर के नहाना-धोना, न चंदन टीका लगाना, न गंगाजल से शरीर को पवित्र करना, न मुंड मुढ़नवाना, न बाल बढ़ाना, न कोई फूल पत्ती नैवेद्य लाना, न कोई जौ, तिल, लाना, अब कुछ नहीं। अब तो जहां रहते हो, वहीं पर इस गुरु महाराज के और उनके जाने के बाद बताये इसी नाम का सुमिरन, ध्यान, भजन कर लो। सन्तमत में सेवा, सतसंग, भजन प्रमुख है। सेवा से कर्म कटते हैं, संस्कार बनते हैं। आपके अच्छे संस्कार, अच्छे कर्म थे तब आप यहां खिंच करके आए हो। आप

तपस्या रात में किए हो, देखो थोड़ी ही ठंडी लगी लेकिन उससे कर्म कटे। जो भी आपको भंडारे में रुखा-सूखा, जला-भुना मिल गया, थोड़ा ही मिल गया हो, भूख लगी रह गई हो, पूरा पेट न भरा हो, उससे आपके कर्म कटे। इससे कर्म कटते हैं। और जब तक कर्म लदे रहते हैं तब तक कहते हैं, सर भारी है। कर्म लगा रहता है जब तक उसकी भावना अच्छी नहीं रहती है, विचार अच्छे नहीं रहते हैं, अच्छी चीज को सोच नहीं पता, अच्छी जगह जा नहीं पता, अच्छा काम नहीं कर पता है। तो यह कर्म काटे, कटवाए जाते हैं। कर्म कटवाने वाले को सब तरीका मालूम होता है। वो सक्षम होते हैं।

मैं तो सेवक कहता हूं अपने को

मुख्य चीज विश्वास होता है। विश्वास फलदायकम। जो विश्वास करता है, विश्वास के साथ करता है, वह फल देता है। और प्रेमियो! जो काम में कर रहा हूं, ऐसा काम करने वाले कितने लोग आए, किसी ने सन्त कहा, किसी ने महात्मा, सतगुरु कहा। मैं तो अपने को सेवक कहता हूं। लेकिन सब लोगों ने एक तरह की बातें बताई, कोई स्वार्थ अपना नहीं रहा, किसी को धोखा नहीं दिया। इसलिए कहा गया है परमार्थ के कारने, सन्तन धरा शरीर। तो आप यह सोचो आपको कैसे धोखा दिया जा सकता है? इसलिए आप विश्वास करो और जयगुरुदेव नाम की ध्वनि बोलो, परिवार वालों को बुलवाओ और परीक्षा लेकर के देखो।

कुछ लोग साधक बन करके दूसरों की साधना की बातें पूछ लेते हैं तो नुकसान हो जाता है

(जब नामदान के समय बताई गयी सुरत शब्द योग साधना करोगे तब अंदर में (दिव्य) दिखाई सुनाई पड़ेगा।) चाहे पति को दिखाई पड़े तो उसकी पत्नी हो, बच्चे हो, हित मित्र दोस्तों आदि किसी को भी मत बताना। गलती मत करना। यह गलती लोग कर जाते हैं। ऐसे उल्टा-सीधा घुमा-फिरा करके, साधक बन करके कुछ लोग पूछ भी लेते हैं तो भी उसमें नुकसान हो जाता है। इसलिए बताना मत किसी को, कुछ भी दिखाई और सुनाई पड़े। और मेहनत करोगे थोड़ा, रोज बैठोगे तो दिखता-सुनाई पड़ता है।

नमन- वंदन सब करते चलो

जीने के कुछ उसूल भी जरूरी हैं,
उम्मीदें कहाँ सबकी यहां पूरी हैं?
चारों तरफ उठता शोर अपनों का है,
अपनों में ढूंढना अपनापन मजबूरी है।

तल्लीनता से जीवन जीने का सलीका,
दूसरे के मथ्थे देते गलतियों का ठीका।
दामन उम्मीद का कब तक कोई थामें?
क्यों कोई नहीं भरोसेमंद यहाँ किसी का?

आशा की गांठ अपने खूँटे बांध लिया,
रोकथाम की चादर शरीर पर साट लिया।
अब परवाह नहीं,ना आहत किसी बात पर
जो चल रहा संग-साथ, संगम सा बना लिया।

सभी को नमन वंदन सब करते चलो,
जहाँ में जहां जो भी मिले; लपेटते चलो ।
कल के चक्कर में हम बहुत दूर पहुंच चुके हैं,
स्वर्ग से अभी बस थोड़ी और दूरी है चलते चलो।

प्रतिभा पाण्डेय "प्रति"
चेन्नई
कोलफील्ड मिरर

पाकिस्तान पीओके में और अधिक अर्ध सैनिक बल भेज कर प्रदर्शनों को सख्ती से दबाने के प्रयास में लगा

कोलफील्ड मिरर 26 जून 2024: इन दिनों लगभग पिछले साल के नवंबर- दिसंबर से लगातार पीओके की जनता पाकिस्तान के शासको एवं पीओके में मौजूद सैनिकों एवं अर्ध सैनिक बलों का विरोध कर रही है तथा साथ हि लगभग हर दिन ही बढ़ती महंगाई के विरोध में भी आम जनता का विरोध प्रदर्शन लगातार जारी है

फिर आज के समय में न केवल पाकिस्तान का हि विरोध किया जा रहा है बल्कि पीओके से पाकिस्तान कब्जे को खत्म करने की मांग भी जनता द्वारा की जाने लगी है इसका मूल कारण यह भी है कि आज पीओके वाली कश्मीरी जनता जब अपने भारतीय कश्मीरी भाइयों को हर तरह से खुशहाल देखते हैं तो उन्हें भी इनके साथ मिलने की इच्छा तथा इनकी हि तरह से खुशहाल रहने की इच्छा होती है फिर स्वयं भारत सरकार का भी यहां यही कहना है कि पीओके वाले सभी हमारे ही भाई बहन हैं एवं पूरा ही पीओके हमारा है एवं इसे हम देर सवेर लेकर रहेंगे यही कारण है कि पीओके की जनता आज 8 माह से लगातार विरोध प्रदर्शन कर रही है

यह विरोध प्रदर्शन आज इतना अधिक गहरा है कि जनता आज पीओके में मौजूद हर पाकिस्तानी सैनिकों का भी विरोध कर रही है एवं उन्हें पूरे पीओके में दौड़ा-दौड़ा कर उनके साथ खुब मारपीट भी कर रही है यानी यहां की किसी भी जनता को आज पाकिस्तानी सैनिकों का अपने क्षेत्र में रहना बिलकुल भी सहन नहीं हो रहा है एवं पीओके की जनता को आज पाकिस्तान की सरकार एक तानाशाह की तरह नजर आ रही हैं क्योंकि आज पीओके की जनता यह समझ चुकी है कि पाकिस्तान केवल पीओके के हर तरह के संसाधनों का केवल दोहन ही करना जानता है एवं बदले में वह पीओके को कुछ देने को तैयार नहीं हो रहा है,

अतः यही कारण है कि जनता आज इसी कारण हर तरह से पाकिस्तान के खिलाफ आक्रोशित है एवं उसका आज यही कहना है कि अब आगे से पीओके के हर तरह के संसाधनों को पाकिस्तान को कतई नहीं लेने दिया जाएगा एवं आगे से स्वयं पीओके ही इन संसाधनों का अपने हित मे इस्तेमाल करेगा,उसी तरह जिस तरह से भारतीय कश्मीर अपने संसाधनों का स्वयं ही इस्तेमाल कर रहा है अतः इसलिए आज सबसे बड़ा सवाल यही है कि तानाशाह पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन कर रही जनता को दबाने के लिए आज पाकिस्तान ने अपनी और से और भी अधिक अर्ध सैनिक बलों की यहां तैनाती की घोषणा की है ताकि पीओके की जनता पर और भी अधिक जुल्मों सितम किया जा सके पर हमें आज यहां यह भी लगता है कि अब यह पीओके की जनता का विरोध प्रदर्शन अब बिल्कुल भी रुकने वाला नहीं है एवं अब एक समय वह आएगा जब पीओके की जनता अपने क्षेत्र से तानाशाह पाकिस्तान की सेना का कब्जा हटाकर ही दम लेगी एवं फिर देर सवेर भारतीय कश्मीर में मिलने का उनका सपना भी शीघ्र हि पूरा होगा।

मनमोहन राजावतराज
शाजापुर

काला पानी या आपातकाल

कोलफील्ड मिरर 26 जून 2024: बचपन में जब वो हिंदी फिल्मों की कैसेट हुआ करती थीं जिनको घरों में वीसीपी (वीडियो कैसेट प्लेयर) की मदद से देखा जाता था तब किसी आजादी वाली मूवी में अंग्रेजों को काला पानी की सजा भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों को देते हुए देखा था। अब वह फिल्में कौन सी थीं यह तो याद नहीं। तब इतनी समझ ही नहीं थी। काला पानी शब्द सुनकर सोचते थे कि शायद कोई ऐसा समुद्र होगा जिसका पानी काले रंग का होगा। इस समुद्र में डूबा दिया जाता होगा हमारे स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को। तभी तो कहते थे जिसे एक बार काले पानी की सजा हो गई वह फिर लौट कर नहीं आता था। फिर थोड़े बड़े हुए, समझ जागी तब ज्ञात हुआ कि काला पानी अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में एक ब्रिटिश औपनिवेशिक जेल थी जिसे सेलुलर जेल भी कहते थे।अंग्रेज हमारे उन स्वतंत्रता सेनानियों को वहां भेज देते थे जो अंग्रेजी शासन के खिलाफ आंदोलन करते थे। फिर जैसे -जैसे शिक्षा प्राप्त हुई तब पता चला कि अंग्रेज तो जेल में यंत्रणाएं देने के लिए काला पानी भेजते थे परंतु 25 जून 1975 को तो हमारे भारतवर्ष को ही जेल में तब्दील कर दिया गया था उस समय की तत्कालीन सरकार द्वारा। इतिहास गवाह है इस देश में न जाने कितने कितने विदेशी आक्रांताओं को झेला है। गुलामी को झेला है पर वो बाहरी थे ना। उनकी संवेदना हमारे लोगों से नहीं जुड़ी थी।

पर आज से 50 वर्ष पहले जब इमरजेंसी लगाई गई थी, इस देश की अपनी लोकतांत्रिक सरकार ने इस देश के लोकतंत्र को ही हाशिये पर रखकर लोगों के मौलिक अधिकारों को ही छीन लिया था। सरकार के खिलाफ बोलने का अधिकार नहीं था, सभाएं करने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। कोई भी सरकार की आलोचना नहीं कर सकता था। प्रेस की फ्रीडम को खत्म कर दिया गया था। सरकार की इजाजत के बिना कुछ भी नहीं छापा जा सकता था। 25 जून 1975 से 21 मार्च 1977 का आपातकाल भारतीय इतिहास की स्वतंत्रता के बाद सबसे विवादास्पद अवधियों में से एक है जिसे इंदिरा गांधी द्वारा प्रस्तावित किया गया था और भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद द्वारा संविधान के अनुच्छेद 352 के तहत प्रचलित आंतरिक अशांति के कारण आधिकारिक रूप से जारी किया गया था। 21 महीने की अवधि के दौरान सरकार के राजनीतिक विरोधियों को जेल में डाल दिया गया, मानव अधिकार का उल्लंघन हुआ।इंदिरा गांधी के बेटे संजय गांधी द्वारा जबरदस्ती पुरुष नसबंदी कराई गई। जयप्रकाश नारायण, अटल बिहारी वाजपेई, लाल कृष्ण आडवाणी जैसे बड़े नेताओं को जेल में डाल दिया गया था।

लक्ष्मी दीक्षित
ग्वालियर मध्यप्रदेश

कृष्ण राधा तो बन गए, पर राधा कृष्ण न बन सकी

कोलफील्ड मिरर 26 जून 2024: मैं सूरदास को बचपन से पढ़ता आ रहा हूँ प्रारम्भिक शिक्षा के दौर में उनके बालचरित्र के पदों को रटने ओर उनका अर्थ लिखकर परीक्षा में अब्बल आने का शौक रहा लेकिन जैसे-जैसे में उम्र के साथ उनके काव्य सागर में डूबता गया तो पाया की एक ओर उन्होने कृष्ण के बचपन की लीलाओं का ऐसा चित्रण किया है जिसमें बालक कृष्ण द्वारा चंद्रमा को खिलौना समझकर माँ यशोदा से मांगने कि जिद है तो वही माखन दधि की चोरी ओर लूट, गाय दुहने- चराने, गेंद खेलने ओर कालिया नाग को नाथने आदि अभिप्रायों का वर्णन किया है दो दूसरी ओर गोपियों-यशोदा माता के बीच, अक्रूर ओर गोपियों के बीच शिकवा शिकायत के भाव को व्यक्त किया है तो तीसरे लौकिक- अलौकिक चरित्र की आँखमिचोनी में वे राधा का स्वांग रचकर उनके वस्त्र पहनकर राधा बने है ओर राधा कृष्ण के वस्त्र पहनकर कृष्ण बनी है जिसका सार अन्तर्मन के बंद सभी द्वारों को खोलकर कृष्ण के निगूढ़ रस का चाहक बने नही रह सकता है। सुर के कृष्ण प्रियतम रूप में अव्यक्त है जो माखन छिपाकर रखा जाता है, उसे छिपकर ही तो लेने में आनद है। कृष्ण छिपना चाहते है, पर छिपाए नही छिपते है ओर उनका छिपाए न छिपना ही तो गोपियों के लिए उन्मद प्रेम है जिसे वे प्रियतम में देखती है । असल में दही माखन जो है वह कृष्ण का माधुर्य भाव है। माखन का माधुर्य पहले दूध को मंदी आंच में तपाना, जामुन के रूप में खट्टे रस को मिलाकर औटना ओर ठंडा करना फिर जमने के बाद बिलोई से बिलोना है, बिलौने से जो माखन का गौला बने वही तो माधुर्य है, वही कृष्ण है। अगर कृष्ण माखन चोरी करते है तो अपने ही स्वरूप से परिचय करना चाहते है कि कैसे मथना होता है, कैसे तपना होता है, कैसे औटना –जमना होता है फिर कैसे बिलोई से माखन बनकर उसके माधुर्य को पूर्णता के साथ पाना होता है। माखन चोरी और माखन लूट में राधा जी से दही का दान मांगने का प्रसंग सूरदास जी अनूठे अंदाज में प्रस्तुत करते है –

मेरे दधि को हरि स्वाद न पायो
जानत इन गुज़रिन को सौ हे ल्यौ छिड़ाई मिली ग्वालिन खायो।
धौरी धेनु दुहाई, छानि पय, मधुर आंच में औंटी सिरायों
नयी दोहनी पौंछि-पखारी धरी,निरधूम खिरनि पै तायों ।
तामि मिलति मिसरि करि,दे कपूर-पुट जावन नायों ।
सुभग ढकनिया ढाकि,बांधिपट,जतन राखि छीकों समदायों
हो तुम कारण लै आई गृह मारग में न कहु दरसाओ।
सूरदास प्रभु रसिक सिरोमणि,कियो कान्ह ग्वालिनी मन-भायों ॥

राधा जी कहती है कि कान्हा ने मेरे घर का दही नही चखा है अब तक वे दूसरी गोपियों के घरों का दही माखन खाया करते थे। मेरे घर में धोरी गाय है जिसका दूध छानकर आंच में तपाया जाता है, जिस दोहनी में गाय को दुहा है वह नई है ओर उसे निर्धूम आग पर सोंधाया गया है जिसमें मिश्री ओर कपूर मिलाकर जावन बनाया ओर बर्तन से ढक दिया है। इसके लिए बड़े यत्न यत्न करने पड़े। इसे न घर में किसी ने देखा है ओर न ही रास्ते में देखा है। सिर्फ कान्हा के कारण ही इसे अपूर्व दही के रूप में परिवर्तित किया गया है, कान्हा ने मेरे इस दही का स्वाद नही लिया है। कृष्ण गोपियों के साथ मनमानी करते है लेकिन राधा के साथ उनकी भूमिका दूसरी हो जाती है जिसमें राधा ही मन कि करती है ओर राधा का दिया दही अगर श्रीकृष्ण खाते है तो वह दही स्वय कृष्ण है ओर दही खाने या चखने वाला कृष्ण नही है, श्रीकृष्ण का मुख है, पर वह देह राधा की हो जाती है।

जब कृष्ण गाय का दोहन करते है तो यह एक सामान्य बात नहीं बल्कि महत्वपूर्ण घटना है। महत्वपूर्ण इसलिए है की गोदोहन के समय ही राधा जी को श्रीकृष्ण से भेंट की अनुमति मिलती है। गायें बाहर खरिक में होती है ओर वे किसी अन्य व्यक्ति से नहीं दुहाती बल्कि उन्हे दोहने के लिए कृष्ण ही चाहिए। सूरदास जी का बड़ा ही सुंदर भाव उनके काव्य में देखने को मिलता है जब गाये दोहवाने को राजी है, पर वे कृष्ण से दोहवाते समय दुही नही जाती है। दुही जाती है वे आंखे जो कृष्ण के सुंदर स्वरूप का रसपान करती है। कृष्ण की आंखे राधा की आंखो से प्रेम का दोहन करती है ओर राधा की आंखे इस अपलक दृष्टि का सामना करने में असमर्थ होकर खीज उठती है ओर वे कृष्ण से उलाहना करके कहती है –

तुम पै कौन दुहवे गैया
लिए रहत हो कनक दोहनी बैठत ही अधपैया।

कृष्ण इस उलाहना से गाय को दुहना भूल जाते है –

हाथ धेनुथन बदन तियातन छीर छीटि छल छोर
आनन रही ललित पय छींटे छाजती छवितृन तोरे।
मनौ निकसे निष्कलंक कलानिधि दुग्धसिंधु मथि बोरे।
इहि विधि हरसत बिलसत दंपति हेत हिये नही थोरे ।
सुर उमगी आनंद सुधानिधि मनु बेला मन फोरे ॥

गाय दुहना भूलकर कृष्ण गाय के थनों से दूध की धार राधा जी की मुखारबिंद पर छोडने लगते है। कृष्ण द्वारा दुहा दूध की धारा जब राधा जी के मुख पर पड़ती है तब लगता है कि दूध के सागर में नहाकर उनका मुख निष्कलंक चाँद हो गया है। गोदोहन कि लीला ऐसी मानो राधा के आनंद का अमृत अपनी सीमाए तोड़ने को है, इसमें जिस पात्र में दूध दुहा जा रहा है वह तो भर ही जाता है साथ ही राधा ओर कृष्ण का हृदय भरने के साथ वे एक हो जाते है। राधा दुग्धसिंधु में स्नान करके लौटती है तो, दोहनी से भरा पात्र वही रह जाता है, ओर यह दुग्धअमृतसिंधु उनके लिए विष का ज्वर बन जाता है। राधा से जब गोपिया पूंछती है कि तुम दुग्ध स्नान करके आ रही हो तो वे कहती है तुम्हें दूध की पड़ी है मुझे तो काले भुजंग ने डस लिया है ओर उसका जहर मेरे शरीर को दग्ध किए हुये है। कहा गया है कि कृष्ण ने ऐसे ही एक ग्वालिन को सर्प के डसे जाने पर विष उतारने बुलाया था ओर वह ठीक हो गई थी, राधा जी का अभिप्राय समझ कर गोपिया कृष्ण को बुलाती है। कृष्ण बुलाये जाते है, जिसने डसा है,वही अपना जहर उतारने की कला जानता है। कृष्ण को बुलाना प्रेम कि विवशता है ओर प्रेम समाज कि वर्जनाए तोड़ता है। कृष्ण कही भी मर्यादित नहीं है, वे राधा की पीड़ा को समझते थे इसलिए आ गए, ओर आने का दूसरा कारण कृष्ण ओर राधा का एक हृदय होना भी है, इसलिए वे राधा के या यूं कहिए अपने हृदय से दूर नही हो सकते थे। श्रीकृष्ण अमृत भी है ओर विष भी है । वे अमृतसिंधु होते है तो किनारों को तोड़ देते है पर सिंधु के किनारों का छोर नही है इसलिए वे प्रवाह बन जाते है। वे विष होते है तो उद्वेलन हो जाते, लहर बन जाते है। राधा कृष्ण की वह सच्चाई है जिसके लिए कृष्ण जीवन भी है ओर प्यार भी है तभी तो राधा जी गोरे रंग की होते हुये भी खुद को गौरी कहलाने में शर्म महसूस करती है इसलिए वह खुद को श्यामा बनाकर ही कृष्ण प्रेम के समतुल्य बना पाती है। कृष्ण भी जब तक राधा से सम्पूर्ण समर्पण नहीं पा जाते तक उनकी अद्‌भुत नाटकीय लीलाओं का विन्यास नहीं होता है।

सूरदास ने बिम्ब-प्रतिबिंब भाव को तीन प्रथक रूपों में काव्य में व्यक्त किया है। बालरूप में माँ यशोदा से चंद्र खिलौना का प्रसंग है दूसरा राधा का प्रतिबिंब कृष्ण की कौस्तुभमणि में व्यक्त है ओर तीसरा माखनचोरी करते हुये कृष्ण स्वंम को मणिमय गृह में प्रतिबिम्बित देखते है जहा उस प्रतिबिम्बित दृश्य देखने के दरम्यान एक गोपी उन्हे देख कर निहाल हो जाती है। राधा जब कौस्तुभमणि में नारी में खुद कि छवि के स्थान पर दूसरी गोपी का रूप देखती है तो कृष्ण से नाराज हो जाती है। बृजबालाओ ओर बृज नारियों के साथ वस्त्र हरण चरित्र हो या रास विलास, कृष्ण के लिए वह लीला वैसी ही है जैसे एक बच्चा प्रतिबिंब के साथ खेलता है। कृष्ण की हर लीला के प्रतिबिंब के साथी-संगी ओर साझेदार है। जब राधा को अपने ही प्रतिबिंब को देखकर परायेपन का आभास होता है तो वह ईर्ष्या से जल भुन जाती है लेकिन जैसे ही राधा अपने को कृष्ण के हृदय में प्रतिच्छादित देखती है तब वे कृष्ण से समागम को उत्सुक हो जाती है। जैसे बिम्ब स्थायी नही होता हिलता जुलता अपनी चंचलता कि छवि अंकित करता है,जबकि प्रतिबिंब थिर हो जाता है, ठहर जाता है। राधा कृष्ण के लिए नया प्रयोग करती है, जो पुरुष ओर नारी का भेद करता है। राधा कृष्ण से समागम से पूर्व पहली बार वस्त्र परिवर्तन का रसरंग विखेरती है ओर अपनी सुंदर ओढ़नी ओर वस्त्र कृष्ण को पहनाकर खुद पीताम्बर धारण कर लेती है। राधा कृष्ण का शृंगार धारण कर कृष्ण बन जाती है ओर कृष्ण राधा के शृंगार में सजते है। कृष्ण को राधा के रूप में ओर राधा का कृष्ण के रूप में तल्लीनता से सजना प्रेम की उन्मुक्तता ही नहीं उन्माद भी है जिसका अभिप्राय अपनी पहचान भूलकर दूसरी पहचान पाना है, राधा ने कृष्ण का रूप तो रख लिया लेकिन कृष्ण नही बन पायी। राधा ने मुरली बजाने का अभियन कर कृष्ण से कहा कि तुम मेरी लाड़ी बनकर मुझसे रूठो ओर में तुम्हें मनाऊँगी। कृष्ण लाड़ी तो बन जाते है पर पुरुष का भाव नही त्याग पाते ओर वे निष्ठुर ही रहते है, राधा मनाती है पर वे मानते नहीं। राधा कृष्ण को मना पाने में असफल रहती है ओर भूल जाती है कि वह कृष्ण बनी है ओर राधा को मना रही है,लेकिन राधा के स्वभाव में डर जाती है कि कही कृष्ण नाराज न हो जाये, कृष्ण इस लीला का मन ही मन आनंद लेते है फिर राधा के हार मानने के बाद कहते है कि मैं जैसे राधा बनकर राधा की तरह हठीला बनकर तुम्हारे रिझाने से नहीं रीझा तो समझो में राधा के रूप में सफल रहा ओर तुम अगर कृष्ण बनी तो कृष्ण का स्वभाव रूठने का होता है ओर राधा का मनाने का, तुम्हें रूठना था ओर मैं राधा के रूप में तुम्हें रिझाता तो तुम्हारा कृष्ण बनना सफल होता-

निरखि पिय रूप तिय चकित भई भारी
किधों वे पुरुष मैं नारी,
की वै नारी मैं ही हौं पुरुष तनसुधि बिसारी।
आपुतन चिते सिर मुकुट,
कुंडल स्त्रवन,अधर मुरली माल बन बिराजे ।
उतहिं पिय रूप सिंधु मांग बेनी सुभगभाल बेंदी बिनु महा छाजे ।
नागरी हठ तजो कृपा करी
मोहि भजो परि कह चूक सो कहो प्यारी।
सुर नागरी प्रभु-बिरह-रस-मगन भई,
देखि छवि हसत गिरिराजधारी॥

राधा कृष्ण के वस्त्र बदलकर उलझन में पड़ गयी, जबकि राधा प्रकृति है ओर प्रकृति का स्वभाव कोमलता- विकलता है। कृष्ण ने बड़ा सुख पाया कि राधा कृष्ण बनकर उसके पैरो पड़ रही है,मना रही है, उसे कृष्ण बनकर कृष्ण कि सुध नही राधा न रहकर राधा की सुध याद रही है। कृष्ण बनने पर राधा का जिस तरह कृष्ण बनी राधा के प्रति विश्वास डिगा, धैर्य छूटा, मान-मनोब्ब्ल में आंखो से आँसू बहे, शब्दों में कंपन आया ओर बोली में निशक्तता नजर आई, यही तो प्रकृति का स्वभाव है जबकि कृष्ण वस्त्रबदलकर राधा तो बन गए, राधा बनकर वे कृष्णरुपा राधा के समक्ष एक कौतूहल ही तो दिखा सके, कौतूहल जिसमें प्रियारूप में होते हुये कृष्ण परमहंस के स्वभाव से डिग नही सके। सुर के बालकृष्ण माटी भक्षण करते है तो माँ यशोदा के हाथो में सांटी आ जाती है ओर वे कहते है मैंने माटी नहीं खाई, माँ यशोदा नाराज होकर कहती है कि ""काहे न उगलो माटी" कृष्ण ने आँख मूंदकर मुह खोलकर अजीव नाटक किया ओर माँ यशोदा को मुह में सारा ब्रम्हाड दिखा दिया। सूरदास भ्रम में पड़ जाते है कि बच्चे को डपटे या स्तुति करे, बच्चा नर है या नारायण। कृष्ण के लिए न कोई लौकिक है ओर न ही अलौकिक। वे पूरे नटवर है ओर नटवर रहते हुए वे हर अभिनय के उत्कृष्ट कलाकार भी है। श्रीकृष्ण सभी में विश्वास भरते हुये अपने माधुर्य से प्रिया प्रियतम के विहार से अधिक महत्व देते है कि प्रिया ओर प्रियतम के बीच एकाकार स्थापित हो ताकि किसी को दुखद बिछुड़न की तड़फ से न गुजरना पड़े। वे लोक में रहकर कुछ भी अलौकिक नही चाहते हुये, अलौकिक प्रेम ही उनकी देशना रही है। यही सूरदास के काव्य में झलकता है तभी सूरदास का काव्य श्रीकृष्ण के शाश्वत प्रतीक्षा का काव्य है जिसमें एक पक्ष में राधा के लिए कृष्ण अमृत भी है ओर विष भी है जो अमृत होने से पाठकों को जीवन का संदेश देते रहेगा वही राधा के देह में प्रवाहित प्रतीक्षा के विष से उतप्त करते रहेगा।

आत्माराम यादव पीव
वरिष्ठ पत्रकार
नर्मदापुरम, मध्यप्रदेश

लगता है मुझे ऐसा कि....

कोलफील्ड मिरर 26 जून 2024: कहते है कि भर जाए पेट दिल नही भरता, स्वाद लोलुप हो और चरता, स्वास्थ्य को ये नही जमता फिर चाहेजीभ भी हो उसकी या धन, तनभी मन भी उसका पर परिमाण नही मन चाहता। वैभव का अटूट अंबार मिला था। सिकन्दर को दुनिया पर हुकूमत करने का चांस मिला था। चाह फिर भी बाकी है गरीबी की निशानी क्योंकि वो तो पानी से भरा प्यासा ऐसा कुआँ है। ठीक इसी तरह लगता है मुझे ऐसा कि सचमुच मनुष्य सारा छल-कपट और झूठ का जाल उस भविष्य के लिए बुनता है जिस भविष्य को वह खुद लेश मात्र भी नहीं जानता हैं। वर्तमान में जीना जीवन की एक बड़ी कला है, समय प्रबंधन का यह एक अति उत्तम सिलसिला है। अतीत की स्मृतियों में भटकते रहने से बताओ क्या मिलेगा? वर्तमान यदि अच्छा होगा तो भविष्य भी अच्छे से परिणाम देगा। जो वर्तमान के हर पल हर क्षण का सही उपयोग करता है, उसका वर्तमान तो आनंदप्रद बनता ही है और भविष्य भी अनेकानेक नई निष्पतियों के भंडार भरता है। हममें सिर्फ संग्रह की प्रवृति भी न पनपें अति मात्रा में। अति हर चीज की बुरी होती है। हम हर परिस्थिति को पचाना सीखें। हमें परिस्थिति का सामना करना आना चाहिए। जीवन में परिस्थिति कैसी भी हों, हमें उत्थान की राह ही चुननी होगी। कहते भी हैं कि परिस्थितियों का दास नहीं बनना चाहिए, बल्कि उन्हें अपने अनुकूल ढालना चाहिए। इसलिए भोजन हो या भजन, निंदा हो या प्रशंसा, हर बात अर्जन के साथ विसर्जन की जुड़ी होनी चाहिए।

प्रदीप छाजेड़
बोरावड़

संघर्ष ही जिंदगी है

संघर्ष ही जिंदगी है, संघर्ष ही मंजिल है।
संघर्ष भी एक खुशी है, महकता जिससे जीवन है।।
संघर्ष ही जिंदगी है----------------------------।।

डरो मत तुम राह में, इन काँटों, इन पत्थरों से।
करो संघर्ष तुम इनसे, इन तूफानों- बयारों से।।
रफत मिलती है संघर्ष से, संघर्ष ख्वाबों की मंजिल है।
संघर्ष भी एक खुशी है, महकता जिससे जीवन है।।
संघर्ष ही जिंदगी है----------------------------।।

नीर का बहना नहीं रुकता, सूरज का चलना नहीं रुकता।
फूल खिलते हैं काँटों में, कमल धरती पर नहीं खिलता।।
इरादा हो अगर मजबूत, ना कोई काम मुश्किल है।
संघर्ष भी एक खुशी है, महकता जिससे जीवन है।।
संघर्ष ही जिंदगी है----------------------------।।

रात के बाद सवेरा है, वक़्त बदलता रहता है।
पसीना देता है ठण्डक, आग में सोना तपता है।।
खुशी- गम पहलू है जीवन के, संघर्ष ही मीठा फल है।
संघर्ष भी एक खुशी है, महकता जिससे जीवन है।।
संघर्ष ही जिंदगी है----------------------------।।

गुरुदीन वर्मा उर्फ़ जी.आज़ाद
बारां (राजस्थान)
कोलफील्ड मिरर

मुसाफ़िर (परदेशी) उसको यक़ीन कितना था

वक़्ते जुदाई मुस्कुरा कर कह गया वो शख़्स मिलेंगें फ़िर कभी,
अजनबी तो था, दो पल का मुसाफ़िर, (परदेशी) उसको यक़ीन कितना था,
उसकी बेवफ़ाई का ज़वाल हमसे न अब इस तरह पुछे कोई,
निगाहें जिसकी जिगर को चाक गईं,वो हसीं मासूम कितना था,
जी चाहता था दर्द मैं उसके ख़रीद लुं बढ़कर यक़ीनन सारे ही,
मगर न पुछिये लोगों,दर्द पर भारी उसका ज़मीर कितना था,
ज़िदगी को ख़रीदने की चाहत सबके दिलों में नज़र आती है,
ज़िंदगी क़रीब मौत के ले आई, वादा मगर हसीन कितना था,
रफ़ता रफ़ता तॉल्लुक़ात उससे सभी टुट कर ही रहे आख़िर,
उसके हसीन वादों पर न पुछिये हमसे हमको यक़ीन कितना था,
एक मुस्कुराहट में ही हमको ख़रीद लिया जिसने सोचो तो,
"मुश्ताक़" तो नादान था, लेकिन ख़रीददार ज़हीन कितना था,

डॉ. मुश्ताक़ अहमद शाह
सहज़ हरदा मध्यप्रदेश
कोलफील्ड मिरर

मेहनत किसी को दिखती कहाँ

कोलफील्ड मिरर 26 जून 2024: शीर्षक से ही स्पष्ट हो रहा है कि लेखिका मुस्कान केशरी कुछ मेहनत से जुड़ी अपनी अनुभव को साझा करने वाली हैं। तो चलिए बिना समय गवाए आज की लेख की शुरुआत करते हैं। एक बहुत ही मेहनती महिला जो अकेले दुकान को चलाती है और अपने बच्चों का पेट भरती है, वो बच्चों की हर एक जरूरतों की पूर्ति करती हैं चाहे वो शिक्षा हो या अन्य कोई क्षेत्र हो। वो मेहनत करती, पैसा कमाती और अपने बच्चो पर लगा दिया करती है। आज तक लेखिका ने भी कभी नहीं देखा है कि उस महिला ने अपने लिए कुछ किया होगा या कभी कुछ अपने लिए खरीदा होगा। जो हो, जितना हो, वो बच्चों के लिए करती हैं। एक दिन उस महिला ने अपना दुकान 12 बजे बंद किया और अपने बच्चों के लिए तरह-तरह का चिप्स बनाने लगी और छत पर सुखाने के लिए रखती गई। वो दोपहर 1 से 4 बजे तक लगभग पाँच किलो चिप्स बनाई थी ताकि बच्चों के साथ, कुछ रिश्तेदारों को भी चिप्स भेजा जाए। वो चिप्स बनाकर नीचे आई और खाना बनाने लगी। गर्मी के कारण उनकी अचानक तबीयत खराब हो गई क्योंकि वो काफी देर से धूप में रह गई थी। माँ की तबीयत खराब होने पर बच्चें परेशान बहुत हो गए। उसी समय जल्दी जल्दी ors का घोल पानी में मिलाया गया और दवाई लाई गई। और उसके बच्चो ने उस महिला को आराम करने के लिए छोड़ दिया। एक बच्चा दुकान पर बैठा तो दुसरा बच्चा रात का खाना बनाने लगा। लेकिन तीसरा जो बच्चा था उसने कुछ नहीं किया। तब दोनों बच्चे मिलकर तीसरे बच्चें को मारने लगे कि तुम जाओ और छत का दरवाजा बंद करके आओ, बंद करके आओ। अब बच्चें थे तो खेल-खेल में सब झगड़ने लगे और तीसरे बच्चों को माथा पर चोट लग गया और वो रोने लगा फिर दोनो बच्चें भी चुप चाप भागने लगे। करीबन आठ बजे उसकी माँ उठी और पूछी - दुकान बंद हो गया तो जो बच्चा दुकान पर बैठा था वो बोला-हाँ मम्मी बंद कर दिए। फिर वो पूछी - रात का खाना बन गया है तो जो बच्चा खाना बना रहा था वो बोलता है हाँ मम्मी बना दिए। फिर वो पूछी - चिप्स आ गया छत पर से, छत बंद हो गया तो वो तीसरा बच्चा रोता रोता आया और बोला - मम्मी इन दोनो ने मिलकर मुझे खूब मारा है खून निकल गया है। तो वो महिला थोड़ा गुस्सा हो गई और सबको सुनाने लगी कि क्यो मारें इसे, क्या हो जाता अगर तुम दोनो जाकर छत बंद करके आ जाते। इतनी बात होती हैं कि सबसे बड़ा बच्चा पिज्जा लेकर आ जाते हैं और सभी बड़े खुशी से पिज्जा खाने लगते हैं। खाते और बाते करते करते करीबन ग्याह बज जाता है। तो धीरे से जाकर तीसरा बच्चा, बड़ा बच्चा को बोल देता है कि भाईया छत बंद कर दो और ये भी कहा था कि चिप्स ले आना लेकिन उनको लगा बाहर से चिप्सा खरीदना बात कर रहा है। वो अपना फोन चलाते चलाते छत बंद करके आ गए और जब सभी सोने को जा रहे हैं तब वो महिला पूछी - चिप्सा कहाँ रखा है तब तीसरा बच्चा बोलता है - भाईया को बोले थे तो बड़ा बच्चा यानि उसके भाईया ने बोला मुझे लगा बाहर का चिप्स माँग रहा है अब हमको क्या पता था कि छत पर सुखने के लिए चिप्स रखा है। अब काफी रात हो चूँकी थी इसलिए सभी बोले रहने दीजिए छत पर ठीक है कल वापस सुखने के लिए डालना नही पड़ेगा। सभी बच्चे और महिला सोने गए। तभी अचानक सुबह चार बजे के आस-पास खूब बारिश हुई। और सभी सदस्य उठ गए। गर्मी से तो बहुत राहत मिली लेकिन उस महिला ने जो इतनी मेहनत से चिप्स बनाया उसका क्या? वो तो सारे के सारे पानी में भींग गए। इतने प्यार और मेहनत से बनाया हुआ चिप्स ना उसके बच्चें खा सकें और ना उसके रितेश्दार साथ ही साथ उस महिला का तबीयत भी खराब हो गया। इस लेख से हमें यह शिक्षा मिली कि हमें हमेशा अपने बड़ों का बात मानना चाहिए।

मुस्कान केशरी
मुजफ्फरपुर बिहार

साहित्य दर्शन ई पत्रिका के ग्रीष्मकालीन विशेषांक का विमोचन सम्पन्न

कोलफील्ड मिरर 26 जून (भवानीमंडी): अखिल भारतीय साहित्य परिषद राजस्थान इकाई भवानीमंडी द्वारा प्रकाशित साहित्य दर्शन ई पत्रिका वर्ष 03 अंक 47 ग्रीष्मकालीन विशेषांक का ऑनलाइन विमोचन समारोह में विमोचन किया गया। रविवार को आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि कवयित्री आकांक्षा राठौर ने ऑनलाइन विमोचन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. राजेश कुमार शर्मा पुरोहित ने की। विशिष्ट अतिथि कवयित्री पूजा गाडुलिया शुभांगी शर्मा (राजस्थान साहित्य अकादमी द्वारा सम्मानित) श्रद्धा तिलवाड़िया रही। विशेष सानिध्य अतिथि कवयित्री आशारानी जैन आशु व डॉ. गीता दुबे रही। साहित्य दर्शन के प्रधान संपादक ने बताया कि ग्रीष्मकालीन बिशेषांक में 31 रचनाकारों की काव्य रचनाएं चयनित कर प्रकाशित की गई है। ये रचनाएँ राजस्थान मध्यप्रदेश गुजरात उत्तरप्रदेश सहित देश के विभिन्न प्रान्तों के कवि कवयित्रियों द्वारा आमंत्रित की गई थी। इस विशेषांक की रचनाओं में ग्रीष्मकालीन अवकाश का सदुपयोग कैसे करें। ग्रीष्म ऋतु का प्रकृति वर्णन, जलवायु परिवर्तन, बढ़ते प्रदूषण के कारण व निवारण, धरती का बढ़ता तापमान, ग्लोबलाइजेशन। अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर पर्यावरण को बचाने जैसे विषयों पर आधारित रचनाएँ शामिल की गई। कार्यक्रम का संचालन कवयित्री उत्साह जैन ने किया।

जीएसटी काउंसिल की 53वीं बैठक-पेट्रोल डीजल को जीएसटी दायरे में लाने का मामला लटका-आम आदमी निराश

जीएसटी काउंसिल की 53वीं बैठक-जाली बिलों से टैक्स क्रेडिट लेने वाले व्यापारियों/व्यवसाइयों की नकेल कसी-छात्रों किसानों रेल यात्रियों को तोहफा

हैट्रिक 3.0 में पहली व जीएसटी काउंसिल की 53वीं बैठक में पेट्रोल डीजल को जीएसटी दायरे में लाने को एजेंडे में नहीं लेने से आम आदमी निराश-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया

कोलफील्ड मिरर 26 जून (गोंदिया): भारत में हैट्रिक 3.0 सरकार के शपथ ग्रहण के दिन से ही पूरे भारत की नजरे जीएसटी काउंसिल की 53 वीं बैठक व पूर्ण बजट 2024 पर लगी हुई है क्योंकि सत्ताधारी पार्टी अपनी 3.0 सरकार आने के 100 दिनों का विजन बनाया हुआ है, उसमें भारत के हर आम और खास नागरिकों के लिए कुछ खास तोहफे होंगे ऐसी उम्मीद लगा बैठे हैं, जिसमें मेरा मानना है कि दो बातों की हसरतें सभी को लंबे समय से है, (1) पेट्रोल व डीजल को जीएसटी के दायरे में लाया जाए ताकि उसके रेट कम हो जाए और यह व्यवस्था बनी रहेगी (2) आयकर टैक्स छूट के स्लैब में बढ़ोतरी। अब दिनांक 22 जून 2024 को जीएसटी काउंसिल की 53 वीं बैठक में पेट्रोल डीजल मामले को तो एजेंडे में ही नहीं लिया गया, जिसपर आम आदमी को निराशा हुई है। अब देखना है पूर्ण बजट जुलाई 2024 में इनकम टैक्स स्लैब में वृद्धि होती है या नहीं इसपर टैक्स पेयरों की नज़रें लगी हुई है। फिर भी कुल मिलाकर जीएसटी काउंसिल की बैठक में कुछ रहतें जरूर दी गई है, परंतु मेरा मानना है कि यह ऊंट के मुंह में जीरा के बराबर होगी, उसमें भी शर्तें लगाई गई है, जैसे छात्रावासको जीएसटी से बाहर तो किया गया है परंतु छात्रों को तीन माह तक वहां रहना होगा राशि 20 हजार तक होगी, ऐसे ही अन्य राहतों की चर्चा हम नीचे पैराग्राफ में करेंगे। चूंकि पेट्रोल डीजल को जीएसटी दायरे में लाने का मामला लटका है, व आम आदमी निराशा है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,जीएसटी काउंसिल की 53 वीं बैठक, जाली बिलों से टैक्स क्रेडिट लेनें वाले व्यापारियों /व्यवसाइयों की नकेल कसी, छात्रों किसानों रेल यात्रियों को तोहफा मिला।

साथियों बात अगर हम शनिवार दिनांक 22 जून 2024 को देर शाम संपन्न हुई 53 वीं जीएसटी काउंसिल की बैठक के नतीजे की करें तो, बैठक की अध्यक्षता के बाद केंद्रीय वित्त मंत्री ने इसकी जानकारी दी और अहम फैसलों के बारे में बताया।उन्होंने कहा कि, सोलर कूकर पर 12 प्रतिशत जीएसटी लगाने को मंजूरी दे दी गई है। देश में बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन लागू। वहीं, जीएसटी अधिनियम की धारा 73 के तहत जारी किए गए डिमांड नोटिस के लिए ब्याज और जुर्माना माफ करने की सिफारिश की गई है। इसके अलावा फेक इनवॉइस पर रोक लगाने के लिए चरणबद्ध तरीके से पूरे देश में बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन लागू किया जाएगा। नई सरकार के गठन के बाद जीएसटी काउंसिल की पहली बैठक हुई है। बैठक के बाद केंद्रीय वित्त ने बताया कि आज जीएसटी काउंसिल की मीटिंग के अलावा राज्यों के वित्त मंत्री के साथ प्री बजट कंसल्टेशन किया गया। वहीं, मीटिंग के निर्णयों की जानकारी देते हुए वित्त मंत्री ने बताया कि जीएसटी परिषद ने करअधिकारियों के अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपील दायर करने के लिए 20 लाख रुपये, उच्च न्यायालय के लिए एक करोड़ रुपये और उच्चतम न्यायालय के लिए दो करोड़ रुपये की सीमा की सिफारिश की है। जीएसटी से जुड़ी लिटिगेशन को कम करने के लिए कदम उठाया गया है। जीएसटी अधिनियम की धारा 73 के तहत जारी किए गए डिमांड नोटिसों पर ब्याज और जुर्माना, जिसमें धोखाधड़ी, दमन या गलत बयानी से जुड़े मामले शामिल नहीं हैं, वित्त वर्ष 2017-18, 2018-19 और 2019-20 के लिए धारा 73 के तहत जारी किए गए सभी नोटिसों के लिए, परिषद ने उन डिमांड नोटिसों पर ब्याज और जुर्माना माफ करने की सिफारिश की है, जो तामील हो चुकी है।वहीं, छोटे टैक्स पेयर को फ़ायदा देने के लिए जीएसटीआर 4 फाइल करने कि समय सीमा को जून 30 किया गया है जीएसटीआर1 में बदलाव करने कि सुविधा दी गई है जीएसटीआर1ए के नाम से नया फॉर्म लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि बायोमेट्रिक आधार बेस्ड रजिस्ट्रेशन को पूरे देश में लागू करने का फैसला हुआ है। पायलट प्रोजेक्ट में सफलता मिलने के बाद यह लागू किया जा रहा है। हालांकि पूरे देश भर में चरणबद्ध तरीक़े किया जाएगा। इसके अलावा वित्त मंत्री ने कहा, जीएसटी परिषद ने सभी दूध के डिब्बों पर 12 प्रतिशत की एक समान दर की सिफारिश की है. वहीं, कार्टन पर 12 परसेंट जीएसटी लगाने की सिफारिश की गई है। इससे हिमाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर के सेब उत्पादकों को फायदा मिलेगास्प्रिंकलर और सोलर कुकर पर 12 फीसदी जीएसटी की परिषद द्वारा सिफारिश की गई है। वित्त मंत्री ने बड़ी तादाद में जीएसटी नोटिस भेजने पर सफाई दी है। वित्त मंत्री ने कहा कि सेंट्रल जीएसटी विभाग ने सिर्फ 1.96प्रतिशत टैक्सपेयर्स को हो नोटिस भेजा जो सिर्फ 1 लाख 14 हजार के करीब है। जबकि राज्य सरकारों के जीएसटी विभाग ने 14 लाख से ज्यादा जीएसटी नोटिस भेजे हैं. इसलिए केंद्र सरकार पर जीएसटी नोटिस भेजने का आरोप सरासर गलत है.ये 2 परसेंट से भी कम है। देश में कुल 50.80 लाख जीएसटी पेयर्स हैं। बिहार के डिप्टी चीफ मिनिस्टर को रेट रेशनलिएशन का अध्यक्ष बनाया गया है।जीएसटी परिषद् ने रेलवे की ओर से आम लोगों को दी जाने सेवाओं पर बड़ा फैसला लिया है। रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म टिकट लेने के अलावे डॉरमेट्री, वेटिंग रूम, क्लॉक रूम और बैट्री ऑपरेटेड वाहनों के इस्तेमाल जैसी सुविधाओं को जीएसटी से बाहर कर दिया गया है। अब ऐसी सुविधाओं पर कोई जीएसटी नहीं लगेगा। छात्रावास की सुविधा उपलब्ध कराने पर भी अब जीएसटी नहीं देना होगा। किसी खास समाज की ओर से चलाए जा रहे हॉस्टल पर भी जीएसटी देय नहीं होगा अगर कोई व्यक्ति वहां 90 दिन लगातार रहते हैं।जीएसटी काउंसिल ने दरों को तर्कसंगत बनाने के लिए फर्टिलाइजर पर जीएसटी कम करने का अनुरोध जीओएम को भेजा है। वर्तमान में इस पर 5 प्रतिशत जीएसटी लगाया जाता है और यह क्षेत्र लंबे समय से फर्टिलाइजर पर जीएसटी से छूट की मांग कर रहा है बता दें कि सितंबर 2021 और जून 2022 में हुई 45वीं और 47वीं बैठक में जीएसटी काउंसिल ने फर्टिलाइजर पर टैक्स को और कम करने की संभावना पर चर्चा की थी।इस समय उर्वरकों पर पांच प्रतिशत की दर से जीएसटी लगाया जाता है, जबकि सल्फ्यूरिक एसिड और अमोनिया जैसे कच्चे माल पर 18 प्रतिशत की उच्च जीएसटी दर है। उन्होंने कहा कि उर्वरकों पर जीएसटी दर कम करने का प्रस्ताव मंत्रिसमूह (जीओएम) को भेज दिया गया है। सितंबर 2021 और जून 2022 में आयोजित 45वीं और 47वीं बैठकों में उर्वरकों पर कर में कमी का मुद्दा जीएसटी परिषद के सामने रखा गया था. हालांकि, उस समय परिषद ने दरों में किसी भी बदलाव की सिफारिश नहीं की थी। बैठक में सभी तरह के कार्टन बॉक्स पर जीएसटी को घटाने की सिफारिश की गई है। वर्तमान में इन पर लगने वाला टैक्स 18 प्रतिशत है। लेकिन बैठक में इसे घटाकर 12 प्रतिशत करने की सिफारिश की गई।

साथियों बात अगर हम जीएसटी काउंसिल की बैठक की सिफारिश को शॉर्ट में समझने की करें तो(1) काउंसिल ने सभी सोलर कुकर पर 12 प्रतिशत जीएसटी निर्धारित करने की सिफारिश की है, चाहे इसमें एकल या दोहरी ऊर्जा स्रोत हो (2) भारतीय रेलवे द्वारा आम आदमी को प्रदान की जाने वाली सेवाएं, प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री, रिटायरिंग रूम, वेटिंग रूम, क्लाकरूम सेवाओं, बैटरी चालित कार सेवाओं को जीएसटी से छूट दी जा रही है(3) शैक्षणिक संस्थानों के बाहर के छात्रों के लिए छात्रावासों को भी छूट दी जा रही है।आवास सेवाओं की आपूर्ति का मूल्य प्रति व्यक्ति प्रति माह 20, हजार रुपये तक है. ये सेवाएं न्यूनतम 90 दिनों की निरंतर अवधि के लिए आपूर्ति की जाती हैं।(4)काउंसिल नेमिल्क कैनस पर एक समान 12 फीसदी की दर निर्धारित करने की सिफारिश की है।काउंसिल ने सभी कार्टन बॉक्स पर 12 फीसदी की दर निर्धारित की है। फायर स्प्रिंकलर सहित सभी प्रकार के स्प्रिंकलर पर 12 फीसदी की दर लागू होगी। सभी सोलर कुकर पर 12 फीसदी जीएसटी दर लागू होगी (5) जीएसटी दरों को तर्कसंगत बनाने के लिए गठित जीओएम अगली बैठक में स्टेटस रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा. दरों को तर्कसंगत बनाने के लिए गठित ग्रुप ऑफ मिनिस्टर कीअध्यक्षता बिहार के उपमुख्यमंत्री करेंगे।

साथियों बात अगर हम आम आदमी के पेट्रोल डीजल को जीएसटी दायरे में आने की उम्मीद की करें तो बजट से पहले जीएसटी से जुड़े अहम मुद्दों पर परिषद पर चर्चा हुई इसके अलावा कारोबारियों के लिए कंप, उम्मीद की जा रही थी कि पेट्रोल-डीजल को जीएसटी के दायरे में शामिल किया जा सकता है, क्योंकि लोकसभा चुनाव के रिजल्ट आने से पहले ऐसी खबर आई थी कि मोदी सरकार बनती है तो पेट्रोल-डीजल को जीएसटी दायरे में शामिल किए जाने का काम, नई सरकार के 100 दिन के एजेंडे के तहत आ सकता था वित्त मंत्री ने कहा कि बाकी एजेंडे पर चर्चा के लिए काउंसिल की अगली बैठक अगस्त में आयोजित करने का फैसला लिया गया।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि जीएसटी काउंसिल की 53वीं बैठक-जाली बिलों से टैक्स क्रेडिट लेने वाले व्यापारियों/व्यवसाइयों की नकेल कसी-छात्रों किसानों रेल यात्रियों को तोहफा। जीएसटी काउंसिल की 53 वीं बैठक-पेट्रोल डीजल कोजीएसटी दायरे में लाने का मामला लटका-आम आदमी निराश हैट्रिक 3.0 में पहली व जीएसटी काउंसिल की 53वीं बैठक में पेट्रोल डीजल को जीएसटी दायरे में लाने को एजेंडे में नहीं लेने से आम आदमी निराश।

-संकलनकर्ता लेखक-
कर विशेषज्ञ स्तंभकार एडवोकेट
किशन सनमुखदास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

अशोक भौमिक के व्याख्यान में चेहरे के हाव-भाव विराट लेकिन चित्रों में वामन अवतार दिखाई दे रहे थे

कोलफील्ड मिरर 26 जून 2024: अशोक भौमिक चित्रकार के रूप में जब आलोचकों, समीक्षाको, अनुवादों, विचारकों के बीच में अपनी किसी चित्र को लेकर बात कह रहे थे तो ऐसा लग रहा था यह विचारों का सेतु बांध रहे थे जो किसी नव सृजन के लिए आवागमन का रास्ता बन जाएं। किसी कैनवास पर जब तूलिका चलती है तो कैनवास पर हाथों की आड़ी, तिरछी, खड़ी लकीरों की तरह कोई आकृति कैनवास पर किसी रूप में तब्दील हो जाती है तो वह क्या-क्या बयां करती है ठीक उसी प्रकार जिस तरह से उस चित्र के भाव के भाव का पता लगाना कठिन होता है और चित्रकार के लिए वह भाव सहज व सरल है क्योंकि, उसने उस चित्र को बनाने के लिए कहीं उस दृश्य को अपने अंतर्मन की पीड़ा में कैद किया है तभी तो वह उभर कर सामने आया है जब यह चित्र आम दर्शकों के बीच पहुंचता है तो यह चित्र देखने वालों के नजरिए पर निर्भर करती है चित्र एक है किन्तु भाव, विचार, अभिव्यक्तियां अनेक है। किसी प्रकार का संयम और सब्र के भाव जब किसी चित्र में उभरता है तो वह सर्वश्रेष्ठ सिद्धि के रूप में कैनवास पर अंकित हो जाती है फिर वही प्राप्त सिद्धि सृजनकर्ता को सृजन की यात्रा में ले जाती है।

अशोक भौमिक चित्रकार, कथाकार, साहित्यकार किसी परिचय का मोहताज नहीं है उनके द्वारा रचित कृति ही उनके कृतित्व का परिचय देती हुई दिखाई देती है उनके चित्रों की प्रदर्शनी देश में ही नहीं वरन विदेशों में भी लग चुकी है। कैनवास पर सिर्फ कलर ही तो है जो किसी भाव से घिरीं हुई है। चित्रकार के पास रंगों व केनवास के अलावा होता है क्या? बस वह अपनी तुलिका चलते हुए जो चित्र रेखा बनाता है वह भी एक सच की तरह सच होता है। साहित्य और चित्र एक दूसरे के पहलू हैं साहित्य में काली स्याही से लिखें शब्द बहुत कुछ कहता हुआ दिखाई देता है तो वहीं चित्र कुछ कहता हुआ दिखाई देता है क्योंकि हमारी नजरे सिर्फ चित्र को देखते हैं लेकिन चित्र के अंदर क्या-क्या लिखा हुआ है इसको नहीं देख पाती इसलिए हमें अपनी आंखों के माध्यम से उन चित्रों को देखते हुए, उन शब्दों को देखना है कि, इस चित्र में हाथ, आंख, ललाट, भृकुटि के हाव-भाव वाले दृश्य का कौन सा शब्द क्या क्या बयां कर रहा है? उस चित्र का दर्द क्या है? खुशी क्या है? उसकी अभिव्यक्ति क्या है? यह चित्र सवाल है या फिर जवाब भी है जो चित्र हमें मालूम पड़ते हैं अथवा जब किसी भगवान, देवी, देवता, सेना के जवान का, धरतीपुत्र किसान, किसी घटना दुर्घटना का विभत्स, लाशों का मंज़र, मासूम सी मुस्कान की लहर जैसे कई प्रकार के दृश्यों के किसी कैनवास पर चित्र के रूप में देखता हूं तो मन में अलग विचार अपने भावों को लेकर मानस पटल पर उतर कर आते हैं। गुरुदेव, सेवक का, किसी फूल का, पत्तियों का, जानवरों का, पक्षियों का चित्र देखता हूं तो मन में तरह-तरह के भाव उत्पन्न होते हैं और जब किसी फूल पत्तियों के साथ किसी पेड़ की शाखा पर पक्षियों का नीड देखता हूं तो मन में अलग तरह के विचार आते हैं यही चित्र और साहित्य एक साथ हो जाते हैं तो फिर वह भाव वह विचार अपने अलग ही रंग को प्रकट करते हुए नजर आते हैं यह में इसलिए कह रहा हूं कि देश के प्रसिद्ध चित्रकार, कथाकार अशोक भौमिक नई दिल्ली ने पिछले दिनों रतलाम में जीडी अंकलेसरिया स्मृति व्याख्यान माला में साहित्य तथा चित्रकला विषय पर अपनी बात रखते हुए श्रोतागण के मन में उतर गए। आम पाठकों के बीच चित्र को लेकर जो भ्रांतियां रहती थी वह भ्रांतियां दूर हों गईं। इस व्याख्यान में अशोक भौमिक ने कहा कि हमारी प्राचीन चित्रकला और वर्तमान चित्रकला में काफी अंतर आया है। इसके लिए कौन जिम्मेदार है हम सब अच्छी तरह से जानते हैं।

अशोक भौमिक ने अपने व्याख्यान चित्रों को लेकर जिस तरह से जिज्ञासा को शांत किया है ठीक उसी प्रकार हमारे मन में भी कई प्रकार के सवाल हिलोरें लेने लग गए हैं उनका जवाब ढूंढने के लिए पुनः अशोक भौमिक के हाथों से बनी चित्रों की प्रदर्शनी देखने के बाद ही हमारी जिज्ञासा अंत होगा। साहित्य और चित्रकला पर जब अशोक भौमिक का व्याख्यान सुन रहे थे तो ऐसा लग रहा था कि यह व्याख्यान सुन नहीं रहे थे बल्कि हम देख रहे हैं उन चित्रों के माध्यम से जो बहुत कुछ कहते हुए नजर आते हैं हम जो ना कह पाते हैं वह चित्र कह देता है चित्र देखने वाले का जब नजरिया और नजर बदलती है तो उसे चित्र के हाव-भाव भी बदल जाते हैं अगर मैं यूं कहूं तो चित्र एक विचार भाव अनेक। अशोक भौमिक का जब व्याख्यान चल रहा था तो उनके चेहरे के हाव-भाव विराट स्वरूप बता रहे थे लेकिन उनके शब्द चित्रों के प्रति वामन अवतार के रूप में दिखाई दे रहे थे। अशोक भौमिक के चित्रों पर बहुत कुछ कह सकते हैं बता सकते हैं दिखा सकते हैं लेकिन, थोड़ा इंतजार करना पड़ेगा।

प्रकाश हेमावत
टाटा नगर रतलाम